वर्ष-10 अंक-291 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, मंगलवार 04 फरवरी 2025
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
Adhunik Samachar
नगर संस्करण
10
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From Google Play
Adhunik Samachar
YouTube आधुनिक समाचार नेटवर्क

संक्षिप्त समाचार

अदाणी परिवार नवविवाहित दिव्यांग महिलाओं की करेगा मदद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अपनी शादी से ठीक दो दिन पहले जीत अदाणी ने अपने घर पर 21 दिव्यांग नव-दंपतियों से मुलाकात की और इस पहल की शुरुआत की। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के छोटे बेटे जीत अदाणी की शादी से पहले, अदाणी परिवार ने 'मंगल सेवा' की घोषणा की है, जिसके तहत नवविवाहित दिव्यांग महिलाओं को सहायता

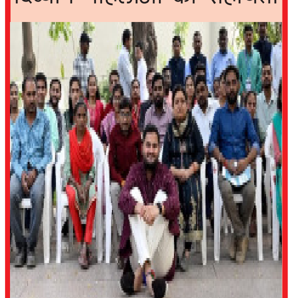

प्रदान की जाएगी। इस पहल के तहत शुरुआत में, हर साल 500 विकलांग महिलाओं को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी अपनी शादी से ठीक दो दिन पहले जीत अदाणी ने अपने घर पर 21 दिव्यांग नव-दंपतियों से मुलाकात की और इस पहल की शुरुआत की। जीत अदाणी 7 फरवरी 2025 को दिवा शाह से अहमदाबाद, गुजरात में शादी करने जा रहे हैं। गौतम अदाणी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि उनके बेटे जीत और बहू दिवा एक पुण्य संकल्प के साथ अपना सफर शुरू कर रहे हैं। उन्होंने 'मंगल सेवा' के जरिए हर साल 500 नवविवाहित दिव्यांग महिलाओं को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया है। उन्होंने आगे कहा कि इस पवित्र पहल से कई दिव्यांग बेटियों और उनके परिवारों का जीवन सम्मान और खुशी से भर जाएगा। उन्होंने जीत और दिवा को सेवा मार्ग पर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया। फिलहाल, जीत अदाणी, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के निदेशक हैं, जो भारत की सबसे बड़ी एयरपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी है और 8 एयरपोर्ट का प्रबंधन और विकास कर रही है। इसके अलावा, वह अदाणी ग्रुप के डिफेन्स, पेट्रोकेमिकल्स और कॉपर बिजनेस की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं।

प्रेमिका के लिए तीन करोड़ का घर बनवाने वाला चोर गिरफ्तार, दो दशक में बनाई करोड़ों की संपत्ति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सोलापुर का रहने वाला आरोपी पंचाक्षरी स्वामी (37) शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। जांच में पता चला कि स्वामी पिछले दो दशक से देशभर में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा था। अधिकारी ने बताया कि 2014-15 में स्वामी ने एक अभिनेत्री के साथ समय बिताना शुरू किया और उस पर दिल खोलकर खर्च किया। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में 9 जनवरी को हुई 14 लाख रुपये की चोरी के आरोप में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पास से 181 ग्राम सोने के बिस्किट, 33 ग्राम चांदी के गहने और एक बंदूक बरामद की है। आरोपी इतना शातिर है कि कई अभिनेत्रियों से उसके संबंध हैं और

पूर्व में उसने चोरी के पैसों से अपनी प्रेमिका के लिए तीन करोड़ रुपये का बंगला भी बनवाया था।पुलिस ने बुधवार को बताया कि सोलापुर का रहने वाला आरोपी पंचाक्षरी स्वामी (37) शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। जांच में पता चला कि स्वामी पिछले दो दशक से देशभर में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा था। अधिकारी ने बताया कि 2014-15 में स्वामी ने एक अभिनेत्री के साथ समय बिताना शुरू किया और उस पर दिल खोलकर खर्च किया। उन्होंने बताया कि स्वामी ने उस अभिनेत्री के लिए कोलकाता में 3 करोड़ रुपये का एक बंगला बनवाया था। इनता ही नहीं, अभिनेत्री को 22 लाख रुपये का एक एक्वेरियम भी भेंट किया था। 2016 में गुजरात में चोरी के दौरान स्वामी पकड़ा गया और उसे छह साल की जेल हो गई। रिहा होने के बाद उसने फिर चोरी करना शुरू कर दिया और महाराष्ट्र पुलिस के हत्थे चढ़ गया। 2024 में रिहाई के बाद से वह बंगलूरू में रहने लगा था।

गुजरात में दो साल का मासूम मैनहोल में गिरा चार घंटे से राहत और बचाव कार्य जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गुजरात के सूरत में दो साल का मासूम मैनहोल में गिर गया। चार घंटे से राहत और बचाव कार्य जारी है। खबर लिखे जाने तक बच्चे

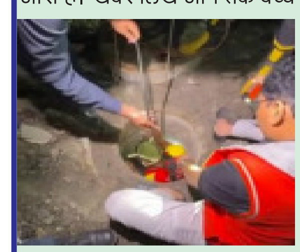

का सुराग नहीं मिला है। गुजरात के सूरत जिले में वरियाव गांव का एक बच्चा मैनहोल में गिर गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद सूरत अग्निशमन विभाग की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। खबर लिखे जाने तक बच्चे का सुराग नहीं मिला है। रेस्क्यू टीम का ऑपरेशन जारी है।सूरत हादसे के संबंध में एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मैनहोल का ढक्कन ठभारी वाहन के कारण क्षतिग्रस्तठ हो गया था। इसी में दो साल का बच्चा गिर गया। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की एक टीम बच्चे को बचाने का प्रयास कर रही है।मुख्य अग्निशमन अधिकारी बसंत पारिख ने बताया कि मैनहोल चैंबर का ढक्कन टूटा हुआ था। बच्चे की तलाश के लिए लगभग 100-150 मीटर के क्षेत्र में तलाशी ली गई, लेकिन पहले दो घंटे में सफलता नहीं मिली। 60-70 कर्मचारियों की टीम बच्चे को खोजने के लिए अभियान चला रही है।बच्चे को बचाने में कितना समय लग सकता है? इस सवाल पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी बसंत पारिख ने कोई ठोस जवाब देने से इनकार कर दिया।

ममता बोलीं- बंगाल आपका घर है, यहां निवेश करें, हर सुविधा मिलेगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ममता बनर्जी ने कहा कि, आपको किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें भारत सहित 40 देशों के

प्रतिनिधिमंडल मौजूद रहे। यह समिट आज भी जारी रहेगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्व भर के व्यावसायियों से आह्वान किया है कि पश्चिम बंगाल आपका घर है, यहां आइए और निवेश कीजिए। यहां पर आपको हर तरह की सुविधाएं दी जाएंगी। उन्होंने यह बात बुधवार को दो दिवसयी बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) के आठवें संस्करण का कोलकाता के बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में उद्घाटन करने के बाद कही। उन्होंने कहा, आपको किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें भारत सहित 40 देशों के प्रतिनिधिमंडल मौजूद रहे। यह समिट आज भी जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि भूटान के प्रधानमंत्री के इस समिट में शामिल होने की बात थी लेकिन वे इसमें शामिल नहीं हुए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनका मुख्य ध्यान राज्य में एक व्यापार-समर्थक प्रशासन सुनिश्चित करने पर है।

टीटीडी ने गैर हिंदू कर्मचारियों पर शुरू की कार्रवाई; नारा लोकेश बोले- सरकार अपने फैसले पर कायम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तेदेपा के नेता नारा लोकेश ने कहा कि तिरुपति मंदिर बोर्ड के गैर-हिंदू कर्मचारियों को धार्मिक गतिविधियों से बाहर रखने के फैसले में कोई बदलाव नहीं होगा और यह आंध्र प्रदेश सरकार का

स्टैंड है।तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के 18 कर्मचारियों को 'गैर-हिंदू' धर्म का पालन करते हुए पाए जाने के बाद उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई, जिसके तहत उन्हें मंदिर निकाय द्वारा आयोजित सभी धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने से रोक दिया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंदिर निकाय के अधिकारी के अनुसार, इस संबंध में हाल ही में एक परिपत्र जारी किया गया है। टीटीडी तिरुपति स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है। अधिकारी ने बताया, 'उन 18 कर्मचारियों को धार्मिक आयोजनों में भाग लेने से रोक दिया गया है। उन्हें टीटीडी के सभी धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजनों में भाग लेने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। वे भाग नहीं ले सकते।इससे पहले नवंबर 2024 में, अध्यक्ष बीआर नायडू की अध्यक्षता वाले टीटीडी बोर्ड ने कहा था कि वह तिरुमाला में काम करने वाले गैर-हिंदुओं पर उचित निर्णय लेने के लिए एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को एक पत्र लिखेंगे। इसके अलावा, टीटीडी के नियमों के अनुसार गैर-हिंदुओं को मंदिर में दर्शन करने से पहले देवता में अपनी आस्था घोषित करनी होती है तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेता नारा लोकेश ने बुधवार को कहा कि तिरुपति मंदर बोर्ड के द्वारा गैर-हिंदू कर्मचारियों को धार्मिक गतिविधियों से बाहर रखने के फैसले में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह आध्र प्रदेश सरकार की स्थिति (स्टैंड) है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के बेटे और तेदेपा के महासचिव लोकेश ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूरा समर्थन करती है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ खड़ी है।

सार्वजनिक नियोक्ता को केवल संभावनाओं की अधिकता साबित करनी होगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने इस टिप्पणी के साथ कलकत्ता हाईकोर्ट की खंडपीठ के 2012 के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

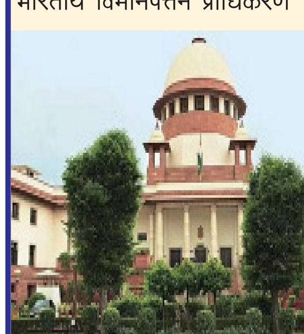

(एएआई) के पूर्व सहायक अभियंता (सिविल) प्रदीप कुमार बनर्जी की बर्खास्तगी को खारिज कर दिया गया था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक नियोक्ताओं को अनुशासनात्मक कार्यवाही के दौरान कदाचार सिद्ध करने और दोषी कर्मचारी को बर्खास्त करने के लिए सिर्फ संभावनाओं की अधिकता साबित करनी होगी। यह आपराधिक मुकदमों में आवश्यक 'उचित संदेह से परे' साबित करने की तुलना में कम कठोर मानक है।शीर्ष अदालत ने इस टिप्पणी के साथ कलकत्ता हाईकोर्ट की खंडपीठ के 2012 के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के पूर्व सहायक अभियंता (सिविल) प्रदीप कुमार बनर्जी की बर्खास्तगी को खारिज कर दिया गया था। जस्टिस जेके माहेश्वरी व जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने संबंधित आपराधिक मामले में बरी होने के बावजूद एएआई के एक पूर्व इंजीनियर की बर्खास्तगी को बरकरार रखा। पीठ ने एएआई के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि बनर्जी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई उचित थी। यह महत्वपूर्ण फैसला सार्वजनिक नियोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है, जो अनुशासनात्मक कार्यवाही के तहत कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर सकते हैं, भले ही कर्मचारी परिणामी आपराधिक मामलों में बरी हो गए हों।जस्टिस मेहता ने 28 पन्ने के आदेश में कहा कि यह कानून का एक स्थापित सिद्धांत है कि आपराधिक मुकदमे में अभियोजन पक्ष पर मामले को उचित संदेह से परे साबित करना अधिक मुश्किल है। हालांकि, अनुशासनात्मक जांच में, विभाग पर भार सीमित है और उसे संभावनाओं की प्रबलता के सिद्धांत पर अपना मामला साबित करना जरूरी है।

देश में गेहूं और दालों की बुआई का रकबा बढ़ा, किसानों के लिए परेशानी का सबब बन सकती है फरवरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इस साल 4 फरवरी 2025 तक गेहूं की बुआई 324.38 लाख हेक्टेयर में की जा चुकी है,

जबकि पिछले वर्ष इसी समय तक 318.33 लाख हेक्टेयर में गेहूं बोया गया था। यानी इस वर्ष गेहूं के रकबे में 6.05 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। गेहूं के प्रति देश में किसानों का मोह बढ़ता ही जा रहा है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष गेहूं के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इस साल 4 फरवरी 2025 तक गेहूं की बुआई 324.38 लाख हेक्टेयर में की जा चुकी है, जबकि पिछले वर्ष इसी समय तक 318.33 लाख हेक्टेयर में गेहूं बोया गया था। यानी इस वर्ष गेहूं के रकबे में 6.05 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है।मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान किसानों के लिए परेशानी का सबक बन सकता है। इससे पहले वर्ष 2022 में फरवरी माह से अप्रत्याशित गर्मी के कारण गेहूं सहित कई फसलों को काफी नुकसान पहुंचा था। यदि एक बार फिर से ऐसे हालात बनते हैं तो अच्छी बुआई के बावजूद गेहूं को नुकसान पहुंच सकता है। रबी सीजन की दूसरी बड़ी फसल दलहन है। इस साल दलहन का रकबा भी बढ़ा है। दालों की बुआई का कुल रकबा इस वर्ष 140.89 लाख हेक्टेयर रहा, जो पिछले वर्ष 137.80 लाख हेक्टेयर की तुलना में 3.09 लाख हेक्टेयर अधिक है। इनमें चना 98.55, मसूर 17.43, मटर 7.94 और उड़द 6.12 लाख हेक्टेयर शामिल हैं। पिछले साल के मुकाबले चने की बुआई में 2.44 लाख हेक्टेयर की कमी आई है।रबी सीजन में लगाई जाने वाली धान की खेती में भी बढ़ोतरी हुई है। इस बार 42.54 लाख हेक्टेयर में धान की खेती हुई जो पिछले वर्ष के 40.59 लाख हेक्टेयर से अधिक है। देश में रबी की धान की खेती दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में ज्यादा होती है। कृषि मंत्रालय के अनुसार श्री अन्न यानी मोटे अनाजों की खेती 55.25 लाख हेक्टेयर में की जा चुकी है। इसमें ज्वार 24.35 , मक्का 23.67 और जौ 6.20 लाख हेक्टेयर की प्रमुख हैं। श्रीअन्न की खेती का रकबा लगभग पिछले वर्ष जैसा ही है।देश में इस वर्ष तिलहन फसलों की बुआई का कुल क्षेत्रफल 97.47 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है। इसमें से सरसों की बुआई 89.30 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है। जबकि पिछले वर्ष यह 91.83 लाख हेक्टेयर रकबे में हुई थी। धान की कटाई देरी से होने की वजह से किसानों को नवंबर में सरसों की बुवाई करनी पड़ी। आमतौर पर सरसों की बुआई के लिए अक्टूबर का महीना सबसे अच्छा माना जाता है।

शहरों में बढ़ रही है चूहों की आबादी, अध्ययन का निष्कर्ष- उच्च तापमान और आबादी से अनुकूल माहौल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में 16 शहर शामिल किए, जिनमें से 11 में चूहों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज की गई। अध्ययन में पाया गया कि चूहों की आबादी में तेजी से बदलाव में तापमान की अहम भूमिका होती है। जिन शहरों में औसत तापमान सामान्य से ज्यादा था वहां चूहों की संख्या में 40.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। दुनियाभर के प्रमुख शहरों में चूहों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। इसका प्रमुख कारण ग्लोबल वार्मिंग के साथ तेजी से बढ़ता शहरीकरण है। चूहों को 50 से अधिक जूनोटिक रोगों के प्रसार के लिए जाना जाता है। जूनोटिक रोग ऐसे संक्रमण हैं, जो लोगों और जानवरों के बीच फैलते हैं। ये संक्रमण वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी और कवक जैसे कीटाणुओं के कारण होते हैं। इनमें

से कुछ जानलेवा हो सकते हैं। इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में चिंताएं तेजी से बढ़ रही हैं। यह बात साइंस एडवांसेज पत्रिका में प्रकाशित शोध में कही गई है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में 16 शहर शामिल किए, जिनमें से 11 में चूहों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज की गई। अध्ययन में पाया गया कि चूहों की आबादी में तेजी से बदलाव में तापमान की अहम भूमिका होती है। जिन शहरों में औसत तापमान सामान्य से ज्यादा था वहां चूहों की संख्या में 40.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जबकि जहां तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया वहां चूहों की संख्या में कमी पाई गई। अध्ययन के दौरान चूहों की दो प्रजातियों रैट्स नॉर्वेजिकस और रैट्स पर ध्यान केंद्रित किया गया जो वैश्विक रूप से फैले हुए हैं। ये कृषि उपज और खाद्य आपूर्ति को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। अकेले अमेरिका में इन चूहों द्वारा होने वाले नुकसान की कुल अनुमानित लागत सालाना लगभग 27 बिलियन डॉलर आंकी गई है।

2030 तक लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक में शीर्ष 25 देशों में होगा भारत, सरकारी पहल से लाभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत तेजी से वैश्विक लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में उभर

रहा है। यह प्रगति सरकार के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के तहत विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वर्तमान में देश में लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 13-14 प्रतिशत है। मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास जैसे पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति की पहल के जरिये भारत 2030 तक विश्व बैंक लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई) में शीर्ष 25 देशों में शामिल हो जाएगा। अभी भारत 139 देशों में से 38वें स्थान पर है।बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति जैसी पहलों के माध्यम से मजबूत बुनियादी ढांचे का विकास उपरोक्त लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रमुख चालक बनने जा रहा है। देश के माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स बाजार के 8.8 प्रतिशत सालाना बढ़कर 2029 तक 484.43 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह 2024 में 317.26 अरब डॉलर से अधिक था। भारत तेजी से वैश्विक लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में उभर रहा है। यह प्रगति सरकार के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के तहत विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वर्तमान में देश में लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 13-14 प्रतिशत है। सरकार अपने बुनियादी ढांचे को बढ़ाकर और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुधार कर 2030 तक इस आंकड़े को 10 फीसदी से कम करने का लक्ष्य रखी है। रिपोर्ट के अनुसार, अमृतकाल के दृष्टिकोण के अनुरूप, भारत हाई-स्पीड सड़कों और नए हवाई अड्डों के माध्यम से मल्टी-मोडल परिवर्तन को आगे बढ़ा रहा है। इसके जरिये परिवहन में लगने वाले समय में 66 प्रतिशत कटौती करने के लक्ष्य के साथ लॉजिस्टिक्स प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। भारत 2026 तक जापान को पीछे छोड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उपरोक्त लक्ष्य हासिल करने के लिए पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति सहित मजबूत नीति समर्थन की जरूरत है। पीएम गति शक्ति के तहत ऊर्जा, खनिज, सीमेंट, बंदरगाह कनेक्टिविटी और उच्च यातायात घनत्व क्षेत्रों जैसे प्रमुख आर्थिक गलियारों में लॉजिस्टिक सुविधा बढ़ाने के लिए 11.17 लाख करोड़ रुपये की 434 परियोजनाओं की पहचान की गई है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि बुनियादी ढांचे की कमी जैसी चुनौतियों से निपटने का सबसे अच्छा तरीका नए सॉल्यूशन और उन्नत टेक्नोलॉजी की जरूरत है जो भारत को वैश्विक लॉजिस्टिक्स अगुवा के रूप में भी स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए सरकार और निजी क्षेत्र के बीच समन्वित प्रयास जरूरी है।

मुझे मेरी मां जैसी लगती हैं ममता बनर्जी', जानें भूटान के मंत्री ने सीएम के लिए आखिर ऐसा क्यों कहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोलकाता में बुधवार को बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में सभी के मुंह से बंगाल की तारीफें सुनने को मिलीं, और पश्चिम बंगाल

की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी जमकर सराहना की गई। इस दौरान भूटान के मंत्री ने उन्हें मां की संज्ञा दी है।कोलकाता में बुधवार को बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) के आठवें संस्करण का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में एक वाकया ऐसा देखने को मिला, जिसने कइयों को भावुक कर दिया। खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए भी यह एक अचरज और भावुक करने वाला पल था। इस सम्मेलन में सभी के मुंह से बंगाल की तारीफें सुनने को मिलीं, और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी जमकर सराहना की गई।इस दौरान भूटान के कृषि और पशुपालन मंत्री योंतेन फंटसो ने तो सीएम ममता बनर्जी को 'मदरली फिगर' (मां जैसा व्यक्ति) भी कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा, मेरी मां का जन्म 1955 में हुआ था और ममता बनर्जी का भी उसी साल जन्म हुआ था। इसलिए मैं उनका बेटा जैसा महसूस करता हूं। वह मेरे लिए सचमुच मां जैसी हैं।इसके अलावा, मंत्री ने बंगाल और भूटान के बीच पारस्परिक संबंधों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भूटान और बंगाल सिर्फ पड़ोसी नहीं हैं, बल्कि हमारे बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंध भी हैं। भूटान में ममता दीदी एक परिचित नाम हैं। इसके बाद, उन्होंने विश्व बंगाल व्यापार सम्मेलन के मंच से ममता बनर्जी के लिए कहा, आपका बोल्ड विजन पूरे देश में प्रसिद्ध है। पर्यटन के क्षेत्र में हमारी साझेदारी हो सकती है। हम निवेशकों से अपील करते हैं कि वे पर्यटन के अवसरों पर विचार करें। फिर, मंत्री ने क्यों पर्यटन क्षेत्र में साझेदारी की बात की, इसका भी स्पष्टीकरण दिया।

महिला उपनिरीक्षक श्रीमती ममता सिंह बनी थाना मुरसान, जनपद हाथरस थानाप्रभारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। ममता सिंह तेजतर्रार महिला उप निरीक्षक में से एक है इनकी छवि लेडीज सिंघम की है इनके थाने का चार्ज लेते ही अपराधियों में खलबली मच गई है मुरसान की जनता एवं जनप्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के इस निर्णय की सराहना की है इनके इंचार्ज बनने से इनके इंचार्ज बनने से महिला संबंधी अपराधों में भी कमी आएगी।

ममता सिंह थानाप्रभारी मुरसान हाथरस

संगम तट पर उमड़ा आस्था का रेला, संतों-संन्यासियों व श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी, तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ के तीसरे और आखिरी अमृत स्नान वसंत पंचमी पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के तट पर आस्था का जन ज्वार उमड़ पड़ा। रात्रि 12 बजे के बाद से ही श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में डुबकी लगानी शुरू कर दी। भोर में चार बजे के बाद श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गया। महाकुंभ के तीसरे और आखिरी अमृत स्नान वसंत पंचमी पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के तट पर आस्था का जन ज्वार उमड़ पड़ा। रात्रि 12 बजे के बाद से ही श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में डुबकी लगानी शुरू कर दी। भोर में चार बजे के बाद श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गया। हर हर महादेव और हर हर गंगे के उद्घोष के साथ भक्तों ने पुण्य की डुबकी लगाई और मनवांछित फल की कामना की। सुबह पौने सात बजे से हेलीकॉप्टर से पुष्पर्षा शुरू हो गई। जूना अखाड़े के अमृत स्नान के दौरान अमृत वर्षा शुरू हुई। इसके बाद हर आधे और एक घंटे पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए जाते रहे। महाकुंभ में वसंत पंचमी के अमृत स्नान का विशेष महत्व है। पौराणिक कथा के अनुसार वसंत पंचमी के दिन कला, संस्कृति, विद्या और ज्ञान की देवी मां सरस्वती का प्राकट्य हुआ था। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर मां सरस्वती का पूजन कर अमृत स्नान करने की परंपरा है। आज सुबह से ही अखाड़ों ने परंपरा के अनुसार दिव्य शोभा यात्रा के साथ अमृत स्नान किया। इसके साथ ही करोंड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं के साथ कल्पवासियों ने भी पवित्र त्रिवेणी स्नान किया। कल्पवासियों ने विधि पूर्वक व्रत का पालन करते हुए सुबह से ही संगम में स्नान कर सूर्य को अर्घ्य देते हुए सरस्वती पूजन भी किया। महाकुंभ 2025 में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु प्रयागराज में संगम तट पर कल्पवास कर रहे हैं। जो प्रतिदिन पूरे माघ मास तीनों काल नियमपूर्वक गंगा में स्नान और व्रत का पालन करते हैं। महाकुंभ में वसंत पंचमी के स्नान विशिष्ट महत्व है। कल्पवासियों ने नियम पूर्वक मौन व्रत रख कर ब्रह्म मुहूर्त में पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। महाकुंभ के विशाल मेला क्षेत्र के अलग-अलग सेक्टरों में बसे कल्पवासी प्रातःकाल में ही पैदल चल कर संगम तट पर आते जा रहे थे। उन्होंने करोंड़ों श्रद्धालुओं और संन्यासियों के अखाड़ों के साथ अमृत स्नान किया।पौराणिक मान्यता है वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती का प्राकट्य हुआ था। वर्तमान काल में तीर्थराज प्रयागराज में ही मां सरस्वती का वास है। जो अंतः सलिला रूप में गंगा, यमुना के संगम में मिल कर पवित्र त्रिवेणी बनाती हैं। वसंत पंचमी के दिन प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में स्नान का विशेष महत्व है। आज के दिन कल्पवासियों विधि पूर्वक संगम स्नान कर सरस्वती पूजन किया। संगम स्नान के बाद मां सरस्वती को श्वेत वस्त्र और श्वेत पुष्प अर्पित कर उनकी स्तुति की। श्रद्धालु और कथा वाचक अपने शास्त्रों और ग्रंथों का भी पूजन करते हैं। इसके बाद दही और चूड़ा के दान दे कर सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही साहित्य, कला, संगीत और शिक्षा जगत से जुड़े हुए लोंग ने भी शहर भर में जगह-जगह मां सरस्वती का पूजन किया।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की मदद के लिए चल रहे भंडारा प्रसाद में पुलिस इंस्पेक्टर मिट्टी डालते आया नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सोरांव थाना इंस्पेक्टर (एसएचओ) क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए बन रहे भोजन पर बालू डाल कर खराब कर दिया गया जिसका यह वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें सोरांव थाना इंस्पेक्टर की मनमानी आयी सामने। प्रयागराज में महाकुंभ के जाम में फंसे श्रद्धालुओं के लिए तैयार किए जा रहे भोजन में मिट्टी डालने की बात सामने आई है, जिसे लेकर लोगों में नाराजगी है। इस घटना से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। भंडारा आयोजकों का आरोप है कि पुलिस ने 10,000 रुपये न देने पर प्रसाद में मिट्टी डाल दी। लेकिन पुलिस का कहना है कि प्रयागराज-प्रतापगढ़ मार्ग पर सोरांव मलाक चतुरी गांव के सामने भी कुछ ग्रामीणों ने महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं के सेवा के लिए भंडारे का आयोजन किया था। इसी दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे थे। इसी दौरान सोरांव थाने की पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने प्रसाद ग्रहण करने वाले श्रद्धालुओं के कारण जाम लगने की बात कही। भंडारा बंद कराने के लिए पुलिस टीम दबाव बनाने लगी। ग्रामीणों ने जब भंडारा बंद करने से मना किया तो एक पुलिसकर्मी आवेश में आ गया और जमीन पर पड़ी मिट्टी और राख को चूल्हे पर बन रहे भंडारे के प्रसाद में डाल दिया। प्रशासन ने जांच के आदेश दिए।

अमृत वसंत, पावन स्नान के लिए चहुंओर आस्था, उत्साह और उल्लास, पांच करोड़ लगाएंगे डुबकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। कुंभ मेला प्रशासन ने सोमवार की शाम तक पांच करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान लगाया है। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। महाकुंभ के तीसरे और अंतिम अमृत स्नान पर्व वसंत पंचमी पर रविवार को संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए लोगों का रेला उमड़ पड़ा है। चाहे लाल मार्ग हो या काली मार्ग या फिर त्रिवेणी मार्ग। हर तरफ से भक्ति का सागर संगम में मिलने के लिए उमड़ता रहा। मेला प्रशासन ने शाम चार बजे तक 1.13 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का दावा किया।मौनी अमावस्या स्नान पर्व हादसे से सबक लेते हुए इस बार अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के लिए सेफ कॉरिडोर बनाया गया है, ताकि शाही सवारियां निकलने के दौरान उस रास्ते पर कोई आम श्रद्धालु प्रवेश न कर सकें। तीसरे अमृत स्नान के लिए आस्था का जन सागर भोर में ही उमड़ने लगा।कुंभ मेला प्रशासन ने सोमवार की शाम तक पांच करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान लगाया है। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। देर शाम तक लाखों श्रद्धालुओं का रेला संगम समेत गंगा के घाटों पर उमड़ पड़ा। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम में पंचमी पर संगम में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखते बन रहा है। सुबह से ही घाटों पर स्नान के लिए लोगों का रेला शुरू हो गया था। संगम जाने वाली सड़कों पर हर तरफ आस्था, उत्साह और उल्लास छा गया है। रेलवे स्टेशनों पर लगातार स्नानार्थियों की भीड़ आती जा रही है। भीड़ के मद्देनजर एहतियातन मेला प्रशासन ने चुस्त-दुरुस्त इंतजाम किए हैं। पार्किंग के अलावा खाली स्थानों और पटरियों पर बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने डेरा जमा लिया है। वह सोमवार को उदया तिथि में संगम में डुबकी लगाकर जीवन को धन्य बनाएंगे। करीब 12 किमी की परिधि में फैले संगम के घाटों पर स्नानार्थी ही नजर आ रहे हैं। कोई दंड-कमंडल लेकर तो कोई सिर पर गठरी और कंधे पर झोला-बोरा लिए संगम की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। रास्ते भर जय गंगा मैया, हर-हर महादेव और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष गूंज रहे हैं। मेले में वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मेला क्षेत्र के इंट्री प्वाइंटों, संगम व पांटून पुलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

विवादों में घिरीं ममता कुलकर्णी करेंगी अमृत स्नान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। किन्नर अखाड़े से महामंडलेश्वर बनाई गई फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी भी अमृत स्नान करने कुंभ नगरी पहुंच गई। उनको महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद से कुंभ नगरी में खासा विवाद छिड़ा है। किन्नर अखाड़े से महामंडलेश्वर बनाई गई फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी भी अमृत स्नान करने कुंभ नगरी पहुंच गई। उनको महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद से कुंभ नगरी में खासा विवाद छिड़ा है। किन्नर अखाड़ा संस्थापक रहे ऋषि अजय दास ने उन ममता को महामंडलेश्वर बनाए जाने पर किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को पद से हटा दिया। इसके साथ ममता कुलकर्णी से भी महामंडलेश्वर की पदवी वापस ले ली। इसके बाद से उनके अमृत स्नान में शामिल होने को लेकर आशंका जाहिर की जा रही थी। इन आशंकाओं के बीच ममता मुंबई वापस लौट गई थी।

बसंत पंचमी पर हाई अलर्ट मोड में महाकुंभ नगर, मेडिकल फोर्स तैयार; मंडल के सभी डॉक्टर रहेंगे सजग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकों लेकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं। जिसके तहत महाकुंभ नगर के साथ शहर व मंडल के सभी डॉक्टर सजग रहेंगे। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल और तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय में भी तैयारी पूरी। एसआरएन में पहले के अधिकतर मरीज यहां से डिस्चार्ज और 60 रेजिडेंट डॉक्टरों को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है।महाकुंभ पर बसंत पंचमी के अमृत स्नान को लेकर पूरे प्रयागराज मंडल के डॉक्टरों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यहां आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुंभ नगर के साथ ही शहर व मंडल के सभी डॉक्टर सजग रहेंगे। 1200 से अधिक मेडिकल फोर्स महाकुंभ नगर में पूरी तरह से तैयार है। जो पलक झपकते ही श्रद्धालुओं की सेवा के लिए हाजिर होंगी। इसके अलावा मेले में ही पूरी मेडिकल फोर्स मुस्तैद रहेगी, जो 6 फरवरी के बाद ही यहां से जाएंगे। जरूरत के हिसाब से बैकअप प्लान भी तैयार कर लिया गया है।महाकुंभ नगर में डॉक्टरों की चार सदस्यीय स्पेशल टीम ने मेले में एक-एक अस्पताल की जांच की। साथ ही मेला क्षेत्र में बने सेक्टर अस्पतालों में दवा के स्टॉक और मशीनें भी चेक की हैं। इसके अलावा स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल और तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय को भी पूरी सजगता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में 500 स्टाफ को अलर्ट मोड में रखा गया है। पहले के अधिकतर मरीज यहां से डिस्चार्ज किए जा चुके हैं और डेढ़ सौ बेड रिजर्व रख लिए गए हैं। एसआरएन में 60 रेजिडेंट डॉक्टरों को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है और यहां 30 सीटी स्कैन मशीनें पूरी तरह तैयार हैं, जिससे जरूरत पड़ने पर एमआरआई, अल्ट्रासाउंड समेत सभी जांचें हो सकेंगी। इसी के साथ 200 यूनिट का ब्लड बैंक भी एसआरएन में तैयार कर लिया गया है। यहां श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध इंतजामों को अलार्म सिस्टम से भी जोड़ गया है।महाकुंभ मेला के नोडल चिकित्सा स्थापना डॉक्टर गौरव दुबे ने बताया कि योगी सरकार की आपातकालीन सेवाएं विशेष रूप से एंबुलेंस सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जरूरत पड़ने पर मरीजों को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल या तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली अस्पताल) में शिफ्ट किया जाएगा। महाकुंभ में बसंत पंचमी के स्नान पर शहर, प्रयागराज मंडल और महाकुंभ नगर में चिकित्सा व्यवस्था को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि 5 फरवरी तक कोई भी डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ अपने ड्यूटी स्थल से नहीं हटेगा। महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए 1200 से अधिक डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ को तैनात किया गया है।मेला क्षेत्र के सेक्टर अस्पतालों में दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की नियमित जांच की जा रही है। डॉक्टरों की चार सदस्यीय टीम हर अस्पताल का निरीक्षण कर रही है। इस टीम में चिकित्सा व्यवस्था के नोडल उमाकांत सान्याल, केंद्रीय चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कौशिक, सह नोडल चिकित्सा व्यवस्था डॉ. राम सिंह और महाकुंभ मेला के नोडल चिकित्सा स्थापना डॉक्टर गौरव दुबे शामिल हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

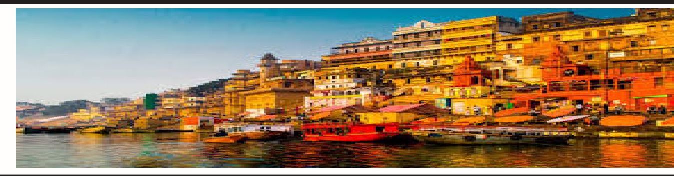

भारत

निराश्रित महिला पेंशनर फैमिली आईडी संख्या कराए उपलब्ध : जयपाल वर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा ने बताया है कि महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) प्राप्त कर रही समस्त लाभार्थियों को सूचित किया है कि जिन लाभार्थियों को किसी करणवश राशन कार्ड नहीं बन पाया है। वह लाभार्थी जनसुविधा केंद्र के माध्यम से फैमिली आई0डी0 बनवाते हुए फैमिली आई0डी0 संख्या जिला प्रोबेशन कार्यालय, विकास भवन, रायबरेली में उपलब्ध कराए ताकि ससमय पेंशन की धनराशि का भुगतान किया जा सके।

हज पर जाने वाले यात्री अपना पासपोर्ट कार्यालय में 18 फरवरी तक करें जमा : महिमा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक

कल्याण अधिकारी महिमा ने वर्ष 2025 में हज पर जाने वाले समस्त हज यात्रियों को सूचित किया है कि हज-2025 के सभी चयनित हज यात्रियों को अपना मूल अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट उ0प्र0 राज्य हज समिति में अन्तिम तिथि 18 फरवरी, 2025 तक जमा करने के निर्देश दिये गये है।उन्होंने बताया है कि अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट की वैद्यता, पासपोर्ट की दशा सही हो, पासपोर्ट किसी प्रकार से फटा/कटा या पृष्ठ ढीले न हों, किसी प्रकार के पानी व अन्य धब्बे न हों, कम से कम एक साथ दो पृष्ठ खाली हों। यदि ऐसा नहीं है तो राज्य हज समिति में उक्त पासपोर्ट रिकार्ड हेतु जमा करें तथा नये पासपोर्ट हेतु तत्काल आवेदन कर 18 फरवरी 2025 तक नया पासपोर्ट कार्यालय में जमा करें। पासपोर्ट सही नहीं पाया जाता है तो इसे हज यात्री को वापस कर दिया जायेगा। पुनः नया पासपोर्ट बनवाकर 15 दिवस के भीतर हज कार्यालय में जमा करना आवश्यक होगा।

मामूली बात को लेकर हुआ विवाद, दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। बलिया जिले में मामूली बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ। झगड़ा इस कदर बढ़ गया कि मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों से कई लोग घायल हो गए। बलिया जिले में खेत में बकरी चराने के विवाद को लेकर मनियर थाना क्षेत्र के लोहटा गांव में दो पक्ष आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसमें एक पक्ष के पति-पत्नी और पुत्र वहीं, दूसरे पक्ष से पति-पत्नी घायल हुए। एक पक्ष से शिवम यादव (18) पुत्र संतोष यादव, शिमला देवी (35) पत्नी संतोष यादव व संतोष यादव (40) पुत्र रघुनाथ यादव घायल हुए। जबकि दूसरे पक्ष से आशा देवी (25) पत्नी कृष्णा यादव एवं कृष्ण यादव (32) पुत्र यदुनाथ यादव घायल हो गए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम 06, 12 व 14 फरवरी को : सीडीओ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने बताया कि

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024- 25 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग व सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों की पुत्री की शादी हेतु पूर्व में समस्त निकायों को 1571 जोड़ों का सामूहिक विवाह करने का भौतिक लक्ष्य आवंटित किया गया था जिसके सापेक्ष 680 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया जा चुका है। अवशेष लक्ष्य की पूर्ति हेतु 06, 12 व 14 फरवरी को सामूहिक विवाह कराया जाना है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि निर्धारित तिथि व आयोजन स्थल के अनुसार 06 फरवरी को विकास खण्ड व नगर पंचायत- राही, अमावां, डलमऊ, दीनशाहगौरा, ऊँचाहार, जगतपुर, रोहनिया और नगर पालिका परिषद रायबरेली के लाभार्थी जोड़ों हेतु सामूहिक विवाह आयोजन स्थल-जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली में सम्पन्न कराये जायेंगे।इसी प्रकार 12 फरवरी को विकास खण्ड व नगर पंचायत- सलोन, छतोह, डीह, नं0पं0 नसीराबाद एवं परशदेपुर के लाभार्थी जोड़ों हेतु सामूहिक विवाह आयोजन स्थल-मिनी स्टेडियम, सलोन रायबरेली में सम्पन्न होंगे। 14 फरवरी को विकास खण्ड व नगर पंचायत-हरचन्दपुर, सतांव, खीरों, लालगंज, सरेनी, बछरावां, शिवगढ़, महराजगंज के लाभार्थी जोड़ो के लिए सामूहिक विवाह आयोजन स्थल-गन्ना कांटा मैदान सतावं रायबरेली में सम्पन्न कराये जायेंगे।

कार से टच होने पर सिपाही ने व्यापारी को कॉलर पकड़ कर खींचा, फिर जमकर की पिटाई; निलंबित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में कार का साइड मिरर छू गया तो व्यापारी को उनके परिवार के सामने सिपाही ने पीट दिया। इसकी शिकायत

व्यापारी ने पुलिस आयुक्त से की। जिसके बाद डीसीपी ने सिपाही को निलंबित कर दिया। वाराणसी में डाफी में हाईवे पर बैरियर के पास परिवार के साथ जा रहे एक व्यापारी की कार का साइड मिरर लंका थाने के एक सिपाही को हल्के से छू गया। आरोप है कि इसके बाद व्यापारी को कार से खींच कर सिपाही पुलिस चौकी में ले गया और गिरा कर बुरी तरह से पीटा। व्यापारी ने पुलिस आयुक्त से सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलने पर डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने मंगलवार को सिपाही विमल कुमार को निलंबित कर दिया।भीटी, रामनगर निवासी व्यापारी रविशंकर वर्मा ने बताया कि वह सोमवार की दोपहर कार से पत्नी, बहन, तीन साल की बेटी और तीन माह के बेटे के साथ बीएचयू के सीर गेट की ओर जा रहे थे। रास्ते में डाफी में हाईवे पर बैरियर के पास उनकी कार की रफ्तार बमुश्किल पांच किलोमीटर प्रति घंटा रही होगी। उनकी कार का बाएं साइड मिरर बैरियर के पास खड़े लंका थाने के सिपाही विमल कुमार को छू गया। इस पर सिपाही विमल कुमार गालीगलौज करते हुए उनकी कार का शीशा पीटने लगा। उन्होंने कार रोकी तो सिपाही विमल कुमार उनका कॉलर पकड़ कर नीचे खींच लिया। गालीगलौज करते हुए सिपाही विमल कुमार उन्हें सड़क किनारे बनी चौकी के अंदर ले गया और बहुत बुरी तरह से पीटा। व्यापारी ने कहा कि घटनास्थल पर सीसी कैमरा भी लगा था। सीसी फुटेज देख कर उनकी पिटाई करने वाले सिपाही विमल कुमार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उधर, इस संबंध में डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने कहा कि आमजन के साथ पुलिस कर्मियों का दुर्व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित सिपाही को निलंबित कर दिया गया है।

जिला कारागार में बन्दियों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित हुआ जागरुकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राज कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अपर जिला जज/सचिव द्वारा जिला कारागार में महिला हेतु नवनिर्मित पाकशाला का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिला कारागार में निरुद्ध महिला बन्दियों को सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाणपत्र वितरित किये गये। जिला कारागार में निरुद्ध बन्दियों हेतु उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के तहत कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारम्भ किया गया। निरीक्षण दौरान सचिव द्वारा बन्दियों से उनके मुकदमें में पैरवी के सम्बन्ध में अधिवक्ता की उपलब्धता के बाबत जानकारी ली गयी। निरीक्षण के पश्चात बन्दियों को विधिक रुप से जागरुक करने हेतु विधिक जागरुकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित बन्दियों को उनके विधिक अधिकार बताये गये तथा यह भी बताया गया कि जिन बन्दियों को निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता हो वह जेल में स्थित लीगल ऐड क्लीनिक के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। निरीक्षण दौरान व विधिक जागरुकता कार्यक्रम में जेल अधीक्षक अमन कुमार सिंह, जेलर हिमाशुँ रौतेला, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जयसिंह यादव व उपकारापाल कंचनलता, सुमैया परवीन, धर्मपाल सिंह व कौशल विकास संस्थान जिला कौशल प्रबन्धक राजीव सिंह व जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दिनेश पाल, तृप्ती सिंह व सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षिका परवीन बानो उपस्थित रही।

पिकअप ने बाइक सवार चचेरे भाइयों को कुचला, दोनों की मौत; बच्ची को लिए दूर जा गिरी बहन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गाजीपुर। जिले में मंगलवार को बड़ा हादसा हुआ। पिकअप ने बाइक सवार लोगों को कुचल दिया। जिससे दो भाइयों की मौत हो गई।

जबकि उस पर बैठी बहन अपनी बच्ची के साथ दूर जा गिरी। गाजीपुर जिले के नंदगंज थाना क्षेत्र के रामपुर बंतरा हाईवे कट के समीप मंगलवार को पिकअप ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक का वरछा कार्यक्रम बुधवार को होना था, जिसके लिए वह अपनी बहन की विदाई कराकर चचेरे भाई के साथ बाइक से घर जा रहा था।रामपुर बंतरा निवासी रजनीश (24) का पांच फरवरी को वरक्षा था। इसके लिए वह अपनी बहन साधना (28) की विदाई कराने के लिए अपने चचेरे भाई तेज बहादुर (30) के साथ उसके घर खानपुर थाना क्षेत्र के नेवादा गया था। बहन अपनी दो साल की बच्ची को लेकर भाइयों के साथ बाइक से घर आ रही ही।वाराणसी-गाजीपुर फोरलेन पर नंदगंज थाना क्षेत्र के रामपुर बंतरा हाईवे कट के समीप पहुंचे थे कि गाजीपुर की तरह से आ रही एक खाली पिकअप अनियंत्रित होकर सामने से बाइक सवार यात्रियों पर चढ़ गई। हादसे में बाइक सवार दोनों चचेरे भाई गाड़ी के नीचे ही फंस गए। जबकि साधना अपनी दो वर्ष की बच्ची के साथ छीटकर दूर जा गिरी। हालांकि डिवाइडर से टकराने के कारण साधना का सिर फट गया।हादसे के बाद आसपास के लोग दौड़े और आनन-फानन गाड़ी को पलटकर अंदर दबे दोनों चचेरे भाइयों को बाहर निकाला। घायलों को मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों चचेरे भाइयों को मृत घोषित कर दिया। जबकि बहन साधना का इलाज चल रहा है।

आईआईटी बीएचयू के छात्र को 2.2 करोड़ का मिला पैकेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में एक छात्र को 2.2 करोड़ रुपये का पैकेज मिला है। वहीं कुल 1,128 प्लेसमेंट ऑफर और 424 इंटर्नशिप ऑफर मिले हैं। आईआईटी बीएचयू के कैंपस प्लेसमेंट में एक छात्र को 2.2 करोड़ रुपये का ऑफर मिला। तीन साल के बाद आईआईटी में इतना बड़ा पैकेज मिला है। वहीं कुल 1,128 प्लेसमेंट ऑफर और 424 इंटर्नशिप ऑफर मिले हैं। निदेशक प्रोफेसर अमित पात्रा ने संस्थान की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष के प्लेसमेंट परिणाम आईआईटी (बीएचयू) की प्रतिष्ठा को एक प्रमुख संस्थान के रूप में मजबूत करते हैं, जो उद्योग के लिए तैयार पेशेवरों का निर्माण करता है। हमारे छात्रों की प्रतिभा और संस्थान की शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता शीर्ष स्तर के नियोक्ताओं को लगातार आकर्षित कर रही है।

रायबरेली विकास प्राधिकरण , रायबरेली
सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सेचति किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक ने नीचे सारणी के स्तम्भ 3 मे उल्लिखित सम्पत्ति , जो प्राधिकरण की स्वाराज नगर योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामांतरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है-

क्रम संख्या	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड /भवन /फ्लैट संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता/पति का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	अन्तरण/ नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत /पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्री अफजाल अहमद पुत्र फजाल अहमद निवासी 633/1055 कंचनपुर कटियारी चिनहट, लखनऊ	भवन संख्या ई0डब्लू0 एस0–6 4	स्वराज नगर योजना	श्री अकील अहमद पुत्र स्व0 अफजाल अहमद	निवासी 633/1065, कंचनपुर, मटियारी, चिनहट, लखनऊ	मृत्यू उपरान्त नामान्तरण	पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति

यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त भवन/ भूखण्ड के अन्तरण/नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाषित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण रायबरेली को प्रस्तुत कर सकता/सकती है अन्यथा स्तम्भ–5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अंतरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सचिव
रायबरेली विकास प्राधिकरण
रायबरेली।

शादी के नौ महीने बाद उजड़ गया सुहाग, बिलखते हुए पत्नी बोली बाबू मुझे छोड़ कर क्यों चले गए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह के निधन के बाद उनकी पत्नी हिमांशी का रो- रोकर बुरा हाल है। पति की मौत की सूचना सबसे पहले हिमांशी को ही मिली थी। रुद्र और कि कैप्टन रुद्र के निधन की सूचना सबसे पहले उनकी पत्नी हिमांशी को ही सेना के द्वारा दी गई थी। सूचना पाकर कॉलेज से हिमांशी रोती-बिलखती हुई अपनी एक सहेली के साथ ससुराल आई। उधर, मां अशोक सिंह ने रुंधे गले से बताया कि जम्मू के अखनूर सेक्टर में एक माह का आर्टिलरी कैंप लगा था। उसके ऑफिसर इंचार्ज रुद्र प्रताप सिंह थे। कैंप की समाप्ति पर एक फरवरी को दावत का

हिमांशी की शादी नौ महीने पहले ही हुई थी। कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घरवालों के साथ ही आसपास के लोगों के घरों में भी सन्नाटा पसरा है। कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह की इच्छा से उनकी पत्नी हिमांशी देहरादून से एमबीए की पढ़ाई कर रही हैं। शादी के महज नौ महीने बाद ही हिमांशी के पति का निधन हो गया। इसे लेकर परिजनों के साथ ही कॉलोनी के लोग भी खासे दुखी दिखे। सभी का यही कहना था कि ईश्वर ने यह कैसा अनर्थ किया? उधर, हिमांशी के मुंह से बार-बार यही निकल रहा था कि बाबू मुझे छोड़ कर क्यों चले गए? बचपन में पापा हमें छोड़ कर चले गए और जिंदगी की जब शुरुआत हुई तो आप छोड़ कर चल दिए। परिजनों ने बताया संगीता अपनी इकलौते बेटे को खोने के बाद रोते हुए बेहोश हो जा रही थीं। वह बार-बार यही कह रही थीं कि हे भगवान अब किसके सहारे जियेंगे? हम लोगों का बुढ़ापा कैसे कटेगा? हमारी फूल सी बहू कैसे रहेगी? हिमांशी और संगीता सिंह का बिलखना देख कर हर किसी की आंख भर आई।गाजीपुर के भाला बुजुर्ग गांव के मूल निवासी अशोक सिंह मिर्जापुर के चील्ह थाने में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। सब इंस्पेक्टर अशोक के इकलौते पुत्र कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह वर्ष 2015 में सेना में अधिकारी चयनित हुए थे। वर्ष 2018 में रुद्र प्रताप सिंह कैप्टन बने थे। 25 अप्रैल 2024 को उनकी शादी गाजीपुर के सैदपुर की रहने वाली हिमांशी सिंह के साथ हुई थी। पिता आयोजन था। पार्टी में डांस करने के दौरान रात लगभग 9.35 बजे रुद्र को चक्कर आया और वह बैठ गए। उन्हें सीपीआर दिया गया। सेना उन्हें अखनूर स्थित मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराई, इसके बाद वेंटिलेटर पर रखा गया। शनिवार की रात 11. 45 बजे कमांडिंग ऑफिसर ने फोन करके बताया कि रुद्र प्रताप सिंह का निधन हो गया है। अशोक सिंह ने कहा कि तीन माह पूर्व रुद्र आसाम से अखनूर सेक्टर गए थे। कैप्टन रुद्र प्रताप सिंह का पार्थिव शरीर हवाई जहाज से बाबतपुर एयरपोर्ट लाया गया। उनका पार्थिव शरीर लेकर उनके घर पहुंचे तो पूरी कॉलोनी का माहौल गमगीन हो गया। कैप्टन रुद्र की पत्नी हिमांशी और मां संगीता का रो-रोकर बुरा हाल था। महिलाएं सास-बहू को बड़ी ही मुश्किल से संभाले हुए थीं।

सोनभद्र, मिर्जापुर

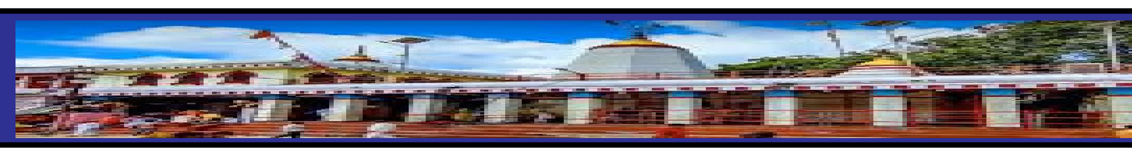

कुंभ हादसे में मारे गए लोगों की तत्काल सूची जारी करें सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम के तहत जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड, शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी के संयुक्त नेतृत्व में मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम प्रयागराज में हुई भगदड़ में श्रद्धालुओं की मृत्यु के वाजिब आंकड़े देने हेतु उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी सोनभद्र के माध्यम से भेजा गया ज्ञापन के माध्यम से यह मांग की गई की उक्त घटना में मारे गए एवं घायल हुए तथा लापता हुए श्रद्धालुओं की उत्तर प्रदेश सरकार तत्काल सूची जारी करें । उक्त कार्यक्रम मगलवार को कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के पदाधिकारी कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय से एकजुट होकर जनपद सोनभद्र के जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे और जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा कि यह सरकार सैकड़ो परिवारों को एक असहनीय पीड़ा दे रही है जो लोग लापता है उनके परिजन दर-दर हाथों में फोटो लेकर भटक रहे हैं तमाम मीडिया चैनलों के माध्यम से सोशल मीडिया पर खबरें आ रही है लोग रो रहे हैं बिलख रहे हैं सरकार संवेदनशीलता का परिचय नहीं दे रही है हम सब सोनभद्र के कांग्रेस जन अपने नेता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के माननीय अध्यक्ष अजय राज के आवाहन पर महामहिम राज्यपाल से यह अनुरोध करते हैं कि उत्तर प्रदेश की सरकार हादसे में मारे गए लोगों का हादसे में घायल हुए लोगों का हादसे में मामूली रूप से घायल हुए लोगों की सूची अभिलंब प्रकाशित करें जिससे कि आम जनमानस को जिनके परिजन अथवा रिश्तेदार लापता है अथवा दर-दर भटक रहे हैं उनको इंसानियत रूपी न्याय मिल सके कार्यवाहक शहर अध्यक्ष राजू त्रिपाठी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार मानवीय मूल्यों को ठेका दिखाते हुए देश के कोने-कोने से आए हुए श्रद्धालुओं के परिजनों को एक ऐसा जख्म दे रही है जिसका परिणाम खुद सरकार को भोगना पड़ेगा सरकार से हम यह मांग करते हैं कि हादसे में लापता, मारे गए एवं घायल हुए लोगों की सरकार तत्काल सूची जारी करें । ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड, शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ,पूर्व प्रदेश सचिव कमलेश ओझा, यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शशांक मिश्रा पीसीसी सदस्य हाजी फरीद अहमद जिला उपाध्यक्ष जगदीश मिश्रा बृजेश तिवारी गोपाल पाठक जिला महासचिव बाबूलाल पनिका,राजबली देव पांडे, जिला सचिव आशीष सिंह पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष सेतराम केसरी, पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव शीतला सिंह पटेल, घोरावल ब्लाक के अध्यक्ष लल्लूराम पांडे, कर्मा ब्लॉक के अध्यक्ष बंशीधर देव पांडे, चतरा ब्लॉक के अध्यक्ष निगम मिश्रा, सदर ब्लॉक रावटसगंज के अध्यक्ष अमरेश देव पांडे मोहम्मद निसार अहमद सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल रहे ।

अधिकारियों के मिली भगत हुआ सस्ते गले कोटे की दुकान चयन आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को कर्म ब्लॉक क्षेत्र के कसया कला गांव निवासी समूह की महिलाओं ने आरोप लगाया कि अधिकारियों व दूसरे समूह की महिलाओं द्वारा गलत तरीके से समूह का चयन करते हुए सस्ते गल्ले कोट्रे की दुकान का चयन कराया गया जिसके विरोध में प्रदर्शन करते हुए एडीएम को पत्र देकर मामले की जांच करने की उठाई मांग। समूह की महिलाओं में अंजू व पूजा ने बताया कि पिछले महीने के 28 29 तारीख को ग्राम पंचायत के दूसरे टोले में बैठक करके अधिकारियों द्वारा अपने चहिते व नए समूह के सखी को कोट्रे सस्ते गले की दुकान का चयन कराया गया वहीं पूर्व में भी इस तरह की बैठक की गई जिसका विरोध करने पर वह कैंसिल कराया गया था पुन्ह दोबारा वह गलती अधिकारियों के मिली भगत से की गई जिसमें 1 वर्ष पहले के समूह का नाम चयन के बाद काट कर चोरी छुपे बैठक कराकर सस्ते गल्ले कोट की दुकान का चयन कराया गया जिस संदर्भ में कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन करते हुए मामले की जांच कर कर सही तरीके से समूह की महिलाओं को सस्ते गले कोट की दुकान का चयन कराया जाए इस मौके पर अंजलि विमल हीरावती विमल हीरावती पूजा भगवती अनीता सीता शीला गीत उर्मिला शांति आदि लोग मौजूद।

बिना आरक्षण का पालन किए हुए कराया गया चुनाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा कतवरिया कि शिकायतकर्ता रंजना ने बताया कि अपने गांव में उचित दर (राशन/कोटे की दुकान) का पद रिक्त चल रहा था, जो समूह को वरीयता देते हुए चयन करना था, लेकिन बिना किसी सहमति व नियमावली का पालन करते हुए उचित दर (राशन / कोटे की दुकान) का चयन दिनांक 31.01.2024 को डाक्टर भीमराव अम्बेडकर स्वयं सहायता समूह को कर दिया गया, जबकि मौके पर समूह को महिलाओं को सम्मिलित नहीं किया गया, जो समूह के वरीयता का पालन नहीं हुआ। ना ही आरक्षण का पालन किया गया जबकि समूह में अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष तथा सचिव का पद एक ही घर में, एक ही परिवार में है। यह समूह राशन /कोटे की दुकान के लिए पात्र नहीं है तथा सभी महिलाओं की सहमति नहीं ली गयी है। वही रंजना ने बताया कि उपरोक्त प्रकरण की जांच कर इनके विरूद्ध उचित कानूनी कार्यवाही करने की कृपा करें।

पुण्य तिथि पर याद किए गए गरीबों के मसीहा कहे जाने वाले देवेंद्र शास्त्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आदिवासी बहुल जनपद सोनभद्र में गरीबों के मसीहा कहे जाने वाले भूतपूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र शास्त्री को पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा करते हुए याद किया गया। इस दौरान हजारों गरीब, असहाय व वृद्धों को कंबल वितरण भी किया गया।कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि यूपी सरकार में समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गौड़ मौजूद रहे। शास्त्री के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए संजीव गौड़ ने बताया कि इस क्षेत्र में विकास के नाम से अगर किसी जन प्रतिनिधि को उस दौर में जाना गया तो वह नाम था देवेंद्र शास्त्री जो बिना किसी भेद भाव के हर वर्ग को न केवल साथ लेकर चलते थे बल्कि उनके परिवार और घर को अपना परिवार और घर मानते थे। इस क्षेत्र में जहां पैदल जाना भी आसान नहीं था वहीं शास्त्री जी ने अपने अथक प्रयासों से सड़क बनवाकर गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने को असंभव कार्य किया जो तब के वक्त में किसी को भी नहीं अहसास था कि ऐसा संभव हो सकता है। यही वजह है कि लोग शास्त्री को यहां के लिए मसीहा की तरह मानते थे। वह कहीं किसी के घर में जाकर भोजन कर लेते थे। कार्यक्रम के संयोजक और जुगैल जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि संजीव तिवारी ने भी इस दौरान शास्त्री द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए जनता को संबोधित किया और बताया कि जैसे शास्त्री जी आप सबके हर सुख दुख में सदैव तत्पर रहते थे उसी प्रकार हम भी उनके द्वारा दिए हुए आदर्शों पर हमेशा चलने का प्रयास करेंगे हमारे पास जो कोई भी किसी बात की समस्या लेकर आएगा यथा संभव उनके हर समस्या और सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। कार्यक्रम में भाजपा के जिला महामंत्री रामसुंदर निषाद ने भी अपने संबोधन में बताया कि किस प्रकार से हम जैसे एक सामान्य गरीब परिवार के लड़के को शास्त्री जी ने अपने मार्गदर्शन में भाजपा जैसी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी में न केवल काम करने का अवसर दिया बल्कि तीन बार जिला महामंत्री भी उनके सिखाए आदर्शों से बनने का मौका मिला।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र का शपथ ग्रहण समारोह 15 फरवरी को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नवनियुक्त डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की कार्यकरिणी की प्रथम बैठक अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ बैठक में निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किया गया डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि नवनियुक्त कार्यकरिणी 2024-2025 की शपथ ग्रहण/स्वागत समारोह 15 फ़रवरी 2025 को होना सुनिश्चित हुआ है ! शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बार काउंसिल बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश एवं आशुतोष सिन्हा एडवोकेट स्नातक खंड शिक्षक क्षेत्र वाराणसी होंगे डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के पूर्व अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव एडवोकेट ने कहा कि विधान परिषद स्नातक शिक्षक क्षेत्र वाराणसी के सदस्य आशुतोष सिन्हा एडवोकेट अपने मद से बार भवन को सहयोग दिए हैं उसका शिलान्यास भी किया जाएगा ! आफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्षगण पांचूराम मौर्य एडवोकेट एवं हरिशंकर सिंह एडवोकेट तथा विनोद कुमार पांडे एडवोकेट सदस्य जिससे अधिवक्ताओं को पुस्तकालय भवन उपल्ब्ध हो जायेगा संचालन महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एडवोकेट ने किया इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एड, उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह एडवोकेट व कामता प्रसाद यादव एड कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र राव एड, राजेश यादव एड, राजेश मौर्य एड, दसरथ यादव एड,रामगुल्ली यादव एड, महेन्द्र एड, शाहनवाज खान एडवोकेट आदि लोग उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप उम्भा गांव में नहीं पहुंच सका अभी तक विकास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आजाद भारत में भूमि विवाद को लेकर हुए सबसे बड़े नरसंहार के बाद देश दुनिया में चर्चा में आने के बाद सोनभद्र जनपद के उम्भा गांव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक नहीं दो बार भौतिक दौरा हुआ। मारे गए लोगों के परिजनों को भरपूर आर्थिक सहायता करने के साथ साथ मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार का खजाना खोलकर उम्भा गांव में विकास का हर साधन उपलब्ध कराने की बात कही थी। उम्भा गांव में विद्यालय, पुलिस चौकी बनाने के साथ ही सड़कों का भी निर्माण किया गया। लेकिन दूरसंचार विभाग और विद्युत विभाग द्वारा मुख्यमंत्री के मंशा के खिलाफ आज़ तक उम्भा गांव में न तो मोबाइल नेटवर्क दिया जा सका और न ही विद्युत आपूर्ति ही सुनिश्चित हो सकी है। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान उम्भा गांव पहुंचे पूर्वांचल नव निर्माण मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने ग्रामीणों से बातचीत कर विकास का हाल जाना। तो ग्रामीणों ने बताया कि गांव में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से गांव में लोग देश और समाज से कटे हुए रहते हैं। बिजली समस्या को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि जब उम्भा गांव में नरसंहार हुआ था तब मुख्यमंत्री के दौरे से पहले बिजल विभाग ने नेडा के खंभो पर 16 एम एम के तार से बिजली गांव में दौड़ा दी। बाद में न तो नये खंभे लगाया गया और ना ही तार बदला गया। परिणामस्वरूप मोबाइल नेटवर्क के साथ साथ बिजली से भी आज गांव वंचित रह रहा है। गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र से उम्भा गांव में बिजली आपूर्ति एवं मोबाइल नेटवर्क देना सुनिश्चित करने के साथ साथ उम्भा गांव में कराये गये विद्युतीकरण के काम की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग भी किया है।

23 दिन में 74 लाख भक्तों ने किए विंध्य धाम में दर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। 23 दिन में 74 लाख भक्तों ने विंध्य धाम में दर्शन किए। इस दौरान 30 लाख से ज्यादा वाहन मिर्जापुर जिले से गुजरे। वहीं साढ़े चार करोड़ का आगमन हुआ। 23 दिन में 74 लाख भक्तों ने विंध्य धाम में दर्शन किए। इस दौरान 30 लाख से ज्यादा वाहन मिर्जापुर जिले से गुजरे। वहीं साढ़े चार करोड़ का आगमन हुआ। साढ़े चार करोड़ लोगों का आवागमन हुआ। जिला प्रशासन ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजी है। विंध्य कॉरिडोर बनने के बाद मंदिर में दर्शन पूजन करने आने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। महाकुंभका पलट प्रवाह और गुप्त नवरात्र के चलते हर दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु विंध्य धाम पहुंच रहे हैं।अमावस्या के दूसरे दिन मंदिर में दर्शन पूजन का नया रिकार्ड बना और एक दिन में 10 लाख से ज्यादा लोगों ने मां के चरणों में शीश नवाया। इससे पहले तीर्थ पुरोहितों ने श्रद्धा का ऐसा सैलाव नहीं देखा था। रिपोर्ट के अनुसार, दो फरवरी तक मिर्जापुर जिले से 25 लाख छोटे बड़े वाहन गुजर चुके हैं।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक की मौत, तीन घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पटेहरा। संत नगर थाना क्षेत्र के अमोई पुरवा गांव के पास लालगंज कलवारी संपर्क मार्ग पर सोमवार की शाम दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। घटना में एक की मौत और तीन घायल हो गए।गोपीगंज निवासी शहजाद (43) अपनी पत्नी रेशमा (40) व बेटे फैज अली को लेकर बाइक से लालगंज स्थित अपने ससुराल आया हुआ था । सोमवार को ससुराल से अपनी पत्नी व बच्चों के साथ वह साढ़ू आजाद निवासी सहरसा थाना संतनगर के यहां जा रहा था। अमोई पुरवा गांव के सामने वे पहुंचे ही थे कि सामने से लालगंज थाना क्षेत्र के सोनवर्षा निवासी सुरेश (25) व उसके चचेरे भाई सुरेंद्र (32) की बाइक से टक्कर हो गई। दोनों एक ही बाइक पर सवार थे।दोनों बाइक की टक्कर में दोनों बाइक पर सवार कुल चार लोग घायल हो गए । सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को पटेहरा पीएससी ले गई। जहां डॉक्टर बहाल अहमद ने सुरेश को मृत घोषित कर दिया। उसके साथ बैठा सुरेंद्र भी घायल हो गया। साथ ही दूसरी बाइक पर सवार शहजाद व उसकी पत्नी रेशमा भी घायल हो गई। इसकी सूचना मिलने पर शहजाद के साढ़ू आजाद उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। मृतक सुरेश को दो पुत्र एक पुत्री है । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष जितेंद्र सरोज ने बताया कि दो बाइक की टक्कर में एक की मौत हुई है।

स्पोर्ट्स

अभिषेक शर्मा ने लगाई बड़ी छलांग, करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे पायदान पर पहुंचे, तिलक को पछाड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिषेक के दूसरे पायदान पर पहुंचने की वजह से तिलक को अपना स्थान गंवाना पड़ा। तिलक एक स्थान के नुकसान के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गए। यादव हैं। इसके बाद जोस बटलर, बाबर आजम, पाथुम निसांका, मोहम्मद रिजवान और कुसल परेरा का नंबर आता है। अभिषेक के ऊपर आने की वजह से नौवें रैंक तक सभी को एक-एक स्थान का हैं। उनके और इंग्लैंड के आदिल रशीद के समान रेटिंग अंक हैं। दोनों के 705-705 रेटिंग अंक हैं। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन 707 रेटिंग अंक के साथ टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। चौथे स्थान

आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में भारत के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बड़ी छलांग लगाई है। वह बल्लेबाजों में करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में अभिषेक ने बेहतरीन शतक जड़ा था। इसका फायदा उन्हें आईसीसी की रैंकिंग में मिला और उन्होंने 38 स्थानों की छलांग लगाई। अभिषेक के दूसरे पायदान पर पहुंचने की वजह से तिलक को अपना स्थान गंवाना पड़ा। तिलक एक स्थान के नुकसान के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गए। ट्रेविस हेड टी20 बल्लेबाजों में शीर्ष पर बने हुए हैं।हेड के पास 855 रेटिंग अंक हैं। वहीं, अभिषेक के 829 रेटिंग अंक और तिलक के 803 रेटिंग अंक हैं। चौथे नंब पर 798 रेटिंग अंकों के साथ फिल सॉल्ट और पांचवें नंबर पर 738 रेटिंग अंकों के साथ भारत के मौजूदा टी20 कप्तान सूर्यकुमार नुकसान हुआ है।वहीं, भारत के यशस्वी जायसवाल तीन स्थान के नुकसान के साथ शीर्ष-10 से बाहर हो गए हैं। उनकी मौजूदा रैंकिंग 12 है। अभिषेक ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में 54 गेंद में 13 छक्कों की मदद से 135 रन की पारी खेली थी। इसकी बदौलत भारत ने इंग्लैंड पर 4-1 से सीरीज जीत दर्ज की थी। अभिषेक शीर्ष पर काबिज हेड से बस 26 रेटिंग अंक पीछे हैं। वहीं, टी20 गेंदबाजों में भारत के वरुण चक्रवर्ती को भी फायदा हुआ है। वरुण इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। वह 14 विकेट लेकर सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। इसी की वजह से उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी जगह दी गई है। अब वरुण ने टी20 में तीन स्थानों की छलांग लगाई और करियर बेस्ट संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए पर वानिंदु हसरंगा और पांचवें स्थान पर एडम जैम्पा हैं।भारत के रवि बिश्नोई भी एक स्थान चढ़कर छठे पायदान पर पहुंच गए हैं। उनका रेटिंग अंक 671 है। शीर्ष-10 में भारत के तीन गेंदबाज हैं। इनमें वरुण, बिश्नोई के अलावा अर्शदीप सिंह शामिल हैं। अर्शदीप को हालांकि, एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह आठवें से नौवें पायदान पर लुढ़क गए। अक्षर पटेल भी गेंदबाजों में 11वें से 13वें स्थान पर लुढ़क गए हैं। वहीं, पहले शीर्ष पर काबिज आदिल रशीद लुढ़क कर दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा जोफ्रा आर्चर को भी चार स्थानों का नुकसान हुआ। वह छठे पायदान से लुढ़क कर 10वें पायदान पर पहुंच गए।गॉल में हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मं श्रीलंका को पारी और 242 रन से हराया था।

चैंपियंस ट्रॉफी होगा रोहित का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट सुरेश रैना ने कहा- इससे मिलेगी प्रेरणा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बीसीसीआई ने भारतीय कप्तान से चैंपियंस ट्रॉफी के समापन के बाद अपनी भविष्य की योजनाओं को स्पष्ट करने के लिए कहा है। बोर्ड 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों में जुटा है और ऐसे में रोहित के भविष्य को लेकर स्पष्टता जरूरी है। भारतीय टीम फिलहाल 19 फरवरी से शुरू हो रहे चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट की तैयारियों में जुटी हुई है। भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। रोहित शर्मा की अगुआई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। ऐसा माना जा रहा है कि यह रोहित का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित इस टूर्नामेंट के बाद संन्यास भी ले सकते हैं, क्योंकि बीसीसीआई ने उनसे बातचीत की है। वहीं, रैना ने भी रोहित को लेकर बयान दिया है।टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने भारतीय कप्तान से चैंपियंस ट्रॉफी के समापन के बाद अपनी भविष्य की योजनाओं को स्पष्ट करने के लिए कहा है। बोर्ड 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों में जुटा है और ऐसे में रोहित के भविष्य को लेकर स्पष्टता जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई चाहता है कि बदलाव की शुरुआत वनडे और टेस्ट दोनों में हो। बोर्ड दोनों प्रारूपों में एक स्थिर कप्तानी विकल्प खोजने का इच्छुक हैरिपोर्ट के मुताबिक, 'चयनकर्ताओं और बोर्ड के लोगों ने पिछली चयन बैठक के समय रोहित से यह चर्चा की थी। उनसे कहा गया है कि उन्हें यह तय करने की जरूरत है कि चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह अपने भविष्य की योजना कैसे बनाना चाहते हैं।' बीसीसीसाई के एक अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया- टीम प्रबंधन की अगले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र और वनडे विश्व कप से पहले कुछ योजनाएं हैं। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हर कोई एक सहज संक्रमण के लिए एक ही पृष्ठ पर है वहीं, सुरेश रैना का भी यही मानना है। उन्हें लगता है कि अगर रोहित संन्यास नहीं लेते हैं तो भी यह टूर्नामेंट बतौर कप्तान उनका आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है। भारत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद 23 फरवरी को भारत-पाकिस्तान का आमना-सामना होगा। रैना का मानना है कि संभावित रूप से नेतृत्व छोड़ने से पहले रोहित एक और प्रमुख खिताब हासिल करने के लिए अत्यधिक प्रेरित होंगे। रोहित शर्मा पहले ही एक खिलाड़ी के रूप में तीन आईसीसी ट्रॉफी के साथ इतिहास में अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। यदि वह आगामी टूर्नामेंट में भारत को जीत दिलाते हैं, तो वह चार आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। रैना ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा- वह 2007 में टी20 विश्व कप, 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी, 2024 में टी20 विश्व कप जीत चुके हैं। बतौर कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी जीतना उनके लिए खास होगा।' रैना ने कहा, 'रोहित ऐसा करने के लिए प्रेरित होंगे, लेकिन रन बनाना उनके लिए महत्वपूर्ण होगा।' उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा एक आक्रामक कप्तान हैं। जिस तरह से वह अपने गेंदबाजों का उपयोग करते हैं वह सराहनीय है। महत्वपूर्ण क्षणों में मोहम्मद शमी को लाना और स्पिनरों पर रणनीतिक रूप से भरोसा करना। जब रोहित रन बनाते हैं, तो यह उनकी कप्तानी में भी दिखता है।' रैना ने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित को आक्रामक तरीके से खेलना चाहिए। आपने देखा कि उन्होंने वनडे विश्व कप में कैसे बल्लेबाजी की। फाइनल में भी वह आक्रामक थे। इसलिए मेरा मानना है कि उनका दृष्टिकोण वही रहेगा। मुख्य सवाल यह है कि उनके साथ ओपनिंग कौन करेगा? क्या वह शुभमन गिल होंगे? जब भी वे एक साथ खेलते हैं, वे आक्रामक इरादे रखते हैं।

कमिंस के खेलने की संभावना कम', मार्श के बाद ऑस्ट्रेलिया को लग सकता है दूसरा बड़ा झटका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कमिंस टखने की चोट से भी जूझ रहे हैं और उन्होंने अभी तक अभ्यास शुरू नहीं किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनके टखने की समस्या बढ़ गई थी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने खुलासा किया है कि टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस की 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह फिट होने की बहुत कम संभावना है। अगर ऐसा होता है तो ऑस्ट्रेलियाई टीम को दूसरा बड़ा झटका लगेगा। टीम के उपकप्तान मिचेल मार्श पहले ही चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं। अगर कमिंस समय पर फिट नहीं होते तो फिर स्टीव स्मिथ या ट्रेविस हेड में से किसी को ऑस्ट्रेलिया की कमान सौंपी जा सकती है। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण श्रीलंका में टेस्ट सीरीज में नहीं खेलने वाले कमिंस टखने की चोट से भी जूझ रहे हैं और उन्होंने अभी तक अभ्यास शुरू नहीं किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनके टखने की समस्या बढ़ गई थी। आईसीसी ने एसईएन रेडियो पर मैकडोनाल्ड के हवाले से कहा, 'पैट कमिंस किसी भी तरह से गेंदबाजी फिर से शुरू करने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए उनकी चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की संभावना बहुत कम है। इसका मतलब है कि हमें एक कप्तान की जरूरत है।उन्होंने कहा, 'जब हम पैट (कमिंस) के साथ स्वदेश में चैंपियंस ट्रॉफी की टीम को लेकर चर्चा कर रहे थे तब स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड दो ऐसे खिलाड़ी थे जिनसे हम बातचीत कर रहे थे। कप्तानी के लिए हमारी इन दोनों पर नजर है।' श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कमिंस की अनुपस्थिति में स्मिथ ने टीम की कमान संभाली थी। कमिंस की गैरमौजूदगी में मार्श को कमान सौंपी जा सकती थी, लेकिन वह खुद ही बाहर हो चुके हैं।

वनडे सीरीज के दौरान कोहली-रोहित की फॉर्म पर होगी नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ रोहित और विराट कोहली जैसे स्टार बल्लेबाज भी खेलेंगे और इस दौरान उन दोनों बल्लेबाजों की नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी।रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों को पुख्ता करने के इरादे से इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरेगी। भारत को इस सीरीज के बाद 19 फरवरी से शुरू होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उतरना है और टीम इससे पहले तैयारियों में कोई कमी नहीं रखना चाहेगी। इंग्लैंड के खिलाफ रोहित और विराट कोहली जैसे स्टार बल्लेबाज भी खेलेंगे और इस दौरान उन दोनों बल्लेबाजों की नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी। यह दोनों स्टार खिलाड़ी पिछले महीने रणजी ट्रॉफी में भी खेले थे, लेकिन उसमें भी असफलता ही उनके हाथ लगी थी। अब वह उस प्रारूप में वापसी करेंगे जिसमें उन्होंने वर्षों तक अपना दबदबा बनाए रखा था। इंग्लैंड भी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले उचित टीम संयोजन तैयार करने पर ध्यान देगा। उसे आईसीसी टूर्नामेंट से पहले अपनी कमजोरियों को जल्द से जल्द दूर करना होगा। उसे इस सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड की टीम में जो रूट को छोड़कर अधिकतर वही बल्लेबाज हैं जिन्हें टी20 सीरीज में रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। विकेटकीपर जेमी स्मिथ पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहले दो वनडे से बाहर रह सकते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच गुरुवार यानी 06 फरवरी को खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच नागपुर के विदर्भ क्रिकेट संघ स्टेडियम पर खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर 1:00 बजे होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के प्रसारण का अधिकार स्टार स्पोर्ट्स के पास है।

फिलैंडर की नजर में ये 4 टीमें टूर्नामेंट जीतने की प्रबल दावेदार, बुमराह को लेकर कही यह बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।क्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज वर्नोन फिलैंडर ने बुमराह को लेकर बीसीसीआई ने टीम मैनेजमेंट को सलाह दी है। फिलैंडर ने कहा कि भारत को अपने इस शानदार गेंदबाज का कार्यभार प्रबंधन करते हुए उसे हर सीरीज और टूर्नामेंट में उतारने के लोभ से बचना होगा। चैंपियंस ट्रॉफी को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन रह गए हैं। ऐसे में सभी टीमें तैयारियों में जुट गई हैं। हालांकि, भारत को अब भी कुछ सवालों के जवाब का इंतजार है। इनमें जसप्रीत बुमराह की चोट को लेकर अपडेट सबसे ऊपर है। इस बात पर अभी तक संशय है कि बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी में खेलेंगे या नहीं। उनका चयन तो किया गया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके खेलने की संभावना बेहद कम है। अब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज वर्नोन फिलैंडर ने बुमराह को लेकर बीसीसीआई ने टीम मैनेजमेंट को सलाह दी है। फिलैंडर ने कहा कि भारत को अपने इस शानदार गेंदबाज का कार्यभार प्रबंधन करते हुए उसे हर सीरीज और टूर्नामेंट में उतारने के लोभ से बचना होगा। चैंपियंस ट्रॉफी में शीर्ष चार टीमों के बारे में पूछने पर उन्होंने भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के नाम लिए। उन्होंने कहा, 'हम उपमहाद्वीप में खेल रहे हैं और भारत प्रबल दावेदार होगा। ऑस्ट्रेलिया बड़े टूर्नामेंटों की टीम है और पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल खेलकर दक्षिण अफ्रीका का आत्मविश्वास बढ़ा है। चौथी टीम इंग्लैंड हो सकती है।' फिलैंडर ने एसए20 लीग से इतर बातचीत में कहा, 'बुमराह ने गेंदबाजों के लिए ऊंचे मानदंड कायम किए हैं। उनका कौशल और रफ्तार पर उनका नियंत्रण शानदार है, लेकिन भारत इतना ज्यादा क्रिकेट खेलता है कि उनके पास काफी काम रहता है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

अहमद शहजाद ने पहले वीडियो में खुद किया अपने रिप्लेसमेंट का एलान, फिर ट्वीट कर टीम चयन को लताड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 017 की टीम से केवल बाबर आजम, फहीम अशरफ और फखर जमान ने अपना परिचय दिया। फिर अहमद शहजाद ने अपने रिप्लेसमेंट के तौर पर उस्मान खान का नाम लिया और फिर खुद ट्वीट कर उनके चयन की आलोचना भी की। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान टूर्नामेंट का गत चैंपियन है। उसने 2017 में भारत को एकतरफा फाइनल में हराकर खिताब जीता था। पिछले हफ्ते पीसीबी ने एक वीडियो साझा किया था जिसमें पाकिस्तान के 'क्लास ऑफ 2017' (2017 की चैंपियन टीम के सदस्य खिलाड़ियों) ने मौजूदा टीम की घोषणा की थी। जो खिलाड़ी या तो रिटायर हो चुके हैं या स्क्वॉड में नहीं हैं, उन्होंने मौजूदा टीम में अपने रिप्लेसमेंट नामों की घोषणा की। इसी कड़ी में अहमद शहजाद ने भी अपना रिप्लेसमेंट बताया, लेकिन वीडियो के बाद ट्वीट करते हुए पाकिस्तान की टीम को लताड़ भी लगाई। उनके दोहरे मापदंड की फैंस अब सोशल मीडिया पर आलोचना भी कर रहे हैं। तब कप्तान रहे सरफराज अहमद ने मोहम्मद रिजवान का नाम लिया (दोनों विकेटकीपर और कप्तान), जबकि तब उपकप्तान रहे मोहम्मद हफीज ने सलमान अली आगा (मौजूदा उपकप्तान) का और अजहर अली ने तैयब ताहिर का नाम लिया। फिर 2017 की टीम से केवल बाबर आजम, फहीम अशरफ और फखर जमान ने अपना परिचय दिया। फिर अहमद शहजाद ने अपने रिप्लेसमेंट के तौर पर उस्मान खान का नाम लिया और फिर खुद ट्वीट कर उनके चयन की आलोचना भी की। अहमद शहजाद ने लिखा, 'चैंपियंस ट्रॉफी टीम में केवल एक विशेषज्ञ स्पिनर है और आप पाकिस्तान और यूएई में खेल रहे हैं। क्या आप टीम को लेकर गंभीर हैं? दो नए सलामी बल्लेबाज चैंपियंस ट्रॉफी में सीधे खेलेंगे। फखर वापसी कर रहे हैं और हम अभी भी नहीं जानते कि उनके साथ कौन ओपनिंग करेगा। उस्मान या फहीम? उस्मान ने देश के लिए हाल के दिनों में कोई वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। वह बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलकर टीम में वापसी कर रहे हैं। क्या आप लोग (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) सच में कुछ सोचते भी हैं हालांकि, फैंस ने इस पोस्ट को देखने के बाद शहजाद को दोहरे मापदंड दिखाने के लिए सवाल किया है। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं देखें मोहम्मद रिजवान इस साल चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम का नेतृत्व करेंगे। 2023 वनडे विश्व कप में बाबर ने टीम का नेतृत्व किया था। इसके बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान खिताब बचाने की तैयारियों को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज भी खेलेगा। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच आठ फरवरी को गद्दाफी स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से होगी। इसके बाद कीवी टीम 10 फरवरी को वनडे मैच दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। पहले दो मैचों के बाद मुकाबले रावलपिंडी से कराची में स्थानांतरित हो जाएंगे। पाकिस्तान 12 फरवरी को डे नाइट मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल चैंपियंस ट्रॉफी शुरू होने से पांच दिन पहले 14 फरवरी को कराची में ही खेला जाएगा।

सम्पादकीय

एक देश-एक कानून की शुरुआत, कानून व्यवस्था में होगा सुधार

समान नागरिक संहिता लागू करने के साथ ही उत्तराखंड स्वतंत्रता के बाद ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया। इसके बाद गुजरात सरकार ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की बात कही है। इसके लिए उसने पांच सदस्यीय समिति गठित कर दी है। अच्छा होगा कि गुजरात सरकार की यह समिति उन आलोचनाओं को ध्यान में रखे, जो उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता के कुछ प्रविधानों को लेकर हो रही हैं। समान नागरिक संहिता का मतलब है, भारत में रहने वाले हर नागरिक के लिए एकसमान कानून होना, चाहे वे किसी भी पंथ-मजहब, क्षेत्र जाति के क्यों न हों। अब उत्तराखंड में विवाह, तलाक, बच्चे गोद लेने और संपत्ति के बंटवारे जैसे विषयों में राज्य के सभी लोगों के लिए एक जैसे नियम होंगे। आजादी के बाद से ही पूरे देश में इसे लागू करने की बात होती रही है। जब संविधान निर्माण हो रहा था, तब भी यह मुद्दा बहस के केंद्र में था कि यूसीसी को संविधान में शामिल किया जाए या नहीं, लेकिन इस पर कोई सहमति नहीं बन सकी। तब डा. आंबेडकर ने कहा था कि यूसीसी वांछनीय है, लेकिन फिलहाल यह स्वैच्छिक रहना चाहिए। उन्होंने इसे राज्य के नीति निदेशक तत्व के अनुच्छेद 44 का हिस्सा बनाकर देश की आने वाली पीढ़ियों पर इसका निर्णय छोड़ दिया। अनुच्छेद 44 का उद्देश्य कमजोर समूहों के खिलाफ भेदभाव को दूर करना और देश भर में विविध सांस्कृतिक समूहों में सामंजस्य स्थापित करना है। इसके बावजूद स्वतंत्रता के बाद इतने लंबे समय तक 'एक देश-एक कानून' पर अमल नहीं हो सका। देशवासियों को उम्मीद है कि मोदी सरकार इसे लागू कर सकती है, क्योंकि यह सरकार अपने सख्त फैसलों के लिए जानी जाती है। दुनिया के किसी भी प्रतिष्ठित लोकतांत्रिक देश में जाति, पंथ-मजहब के आधार पर अलग-अलग कानून नहीं हैं, लेकिन भारत में अलग-अलग पंथों के मैरिज एक्ट हैं। इस वजह से हमारे यहां विवाह, जनसंख्या समेत कई तरह का सामाजिक तानाबाना भी बिगड़ा हुआ है। इसीलिए देश के नागरिक कानूनों में एक ऐसी समानता लाने की जरूरत है, जो सभी पंथ, जाति, वर्ग और संप्रदाय को एक ही व्यवस्था में लेकर आए।जब तक देश के संविधान में यह सुधार नहीं होगा, तब तक भारत सही मायने में पंथनिरपेक्ष नहीं होगा। अभी भारत में दो प्रकार के पर्सनल ला हैं। पहला है हिंदू मैरिज एक्ट 1956, जो हिंदू, सिख, जैन आदि संप्रदायों पर लागू होता है। दूसरा, इस्लाम को मानने वालों के लिए लागू होने वाला मुस्लिम पर्सनल ला। अलग-अलग पंथों के अलग कानून से न्यायपालिका पर बोझ पड़ता है।यूसीसी लागू होने से इस परेशानी से मुक्ति मिलेगी और अदालतों में लंबित पड़े फैसले जल्द होंगे। यूसीसी का विरोध करने वालों का मत है कि यह सभी पंथों पर हिंदू कानून थोपने जैसा है। यह मिथ्या आरोप है, क्योंकि इसका उदेश्य साफ तौर पर सभी को समान नजर से देखना और न्याय करना है। यूसीसी का अर्थ है संविधानसम्मत सेक्युलर नागरिक संहिता। ध्यान रहे कि मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया और मिस्र जैसे कई मुस्लिम बहुल देशों में भी यूसीसी लागू किया जा चुका है।यूसीसी लागू करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कई बार टिप्पणी कर चुका है। 1985 में शाहबानो मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था, 'यह दुख का विषय है कि संविधान का अनुच्छेद 44 एक मृत अक्षर बनकर रह गया है। 1995 में सरला मुद्गल केस की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा थ, 'संविधान के अनुच्छेद 44 के अंतर्गत व्यक्त की गई संविधान निर्माताओं की इच्छा को पूरा करने में सरकार और कितना समय लेगी उत्तराधिकार और विवाह को संचालित करने वाले परंपरागत हिंदू कानून को बहुत पहले ही 1955-56 में संहिताकरण करके अलविदा कर दिया गया है। ऐसे में देश में समान नागरिक संहिता को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करने का कोई औचित्य नहीं है। कुछ प्रथाएं मानवाधिकार एवं गरिमा का अतिक्रमण करती हैं। मजहब के नाम पर मानवाधिकारों का गला घोंटना निर्दयता है। 2003 में जान बलवत्तम केस की सुनवाई के दौरान कहा था, 'यह दुख की बात है कि अनुच्छेद 44 को आज तक लागू नहीं किया गया।' 2017 में सायरा बानो केस की सुनवाई के दौरान कहा था, 'हम सरकार को निर्देशित करते हैं कि वह उचित विधान बनाने पर विचार करे। हम उम्मीद करते हैं कि इस्लामिक देशों में शरीयत में हुए सुधारों को ध्यान में रखते हुए एक कानून बनाया जाएगा।चूंकि समान नागरिक संहिता एक देश-एक कानून की अवधारणा पर आधारित है, लिहाजा इसके लागू होने से देश के सभी समुदाय के लोगों को एकसमान अधिकार मिलेगा, लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा, देश की महिलाओं की स्थिति में सुधार होगा, कानूनों में सरलता और स्पष्टता आएगी और व्यक्तिगत या मजहबी कानूनों के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त किया जा सकेगा।कुछ समुदायों के पर्सनल ला में महिलाओं के अधिकार सीमित हैं। यूसीसी लागू होने से महिलाओं को पारिवारिक संपत्ति पर बेटों के समान अधिकार मिलेगा और मुस्लिम लड़कियों का छोटी आयु में विवाह होने से रोका जा सकेगा।

बेलगाम होते जा रहे कोचिंग संस्थान, ठोस कानूनी नियमावली के दायरे में लाना आवश्यक

हाल में इंजीनियरिंग और मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों में से एक फिटजी के कई सेंटर बीच सत्र में ही अचानक बंद हो गए। इससे लाखों की संख्या में छात्रों की पढ़ाई तो अधर में लटकी ही, अभिभावकों का विश्वास एवं उनकी वित्तीय स्थिति भी हिल गई। फिटजी के प्रभावित होने वाले केंद्र दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, मेरठ, गाजियाबाद, वाराणसी, लखनऊ, भोपाल, पटना आदि शहरों के हैं, जिनमें एक-एक सेंटर में छात्रों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच रहा था। लगभग तीन

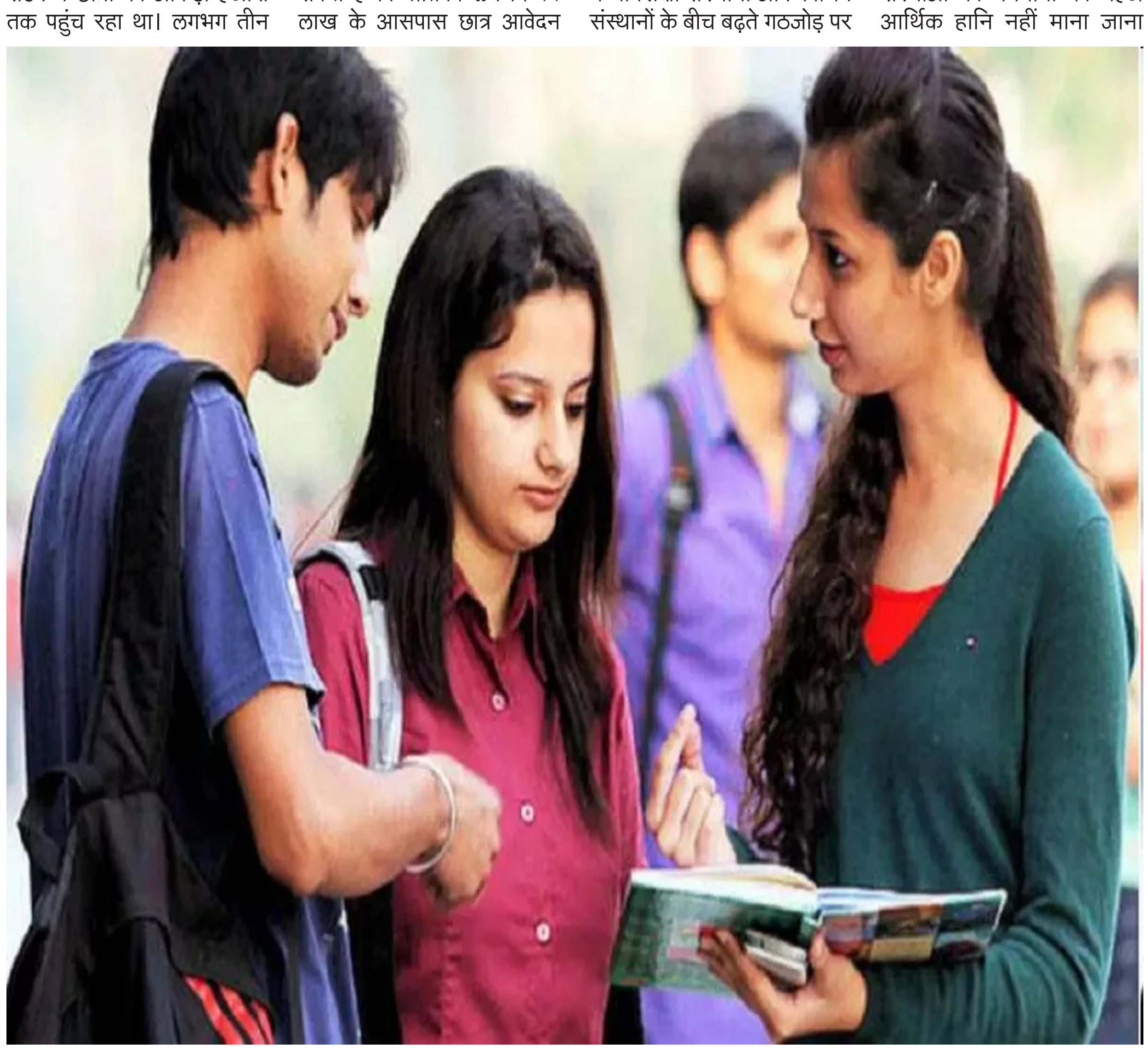

लाख प्रति छात्र सालाना शुल्क वसूलने वाले इस कोचिंग संस्थान ने जेईईई और नीट-यूजी की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों के बीच अपनी एक खास छवि स्थापित कर ली थी, पर अभिभावकों के सपनों को पूरा करने और युवा भविष्य को तराशने का काम करने वाले इस संस्थान को अब संदेह की निगाह से देखा जा रहा है। नोएडा पुलिस ने संस्थान के संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके बैंक खाते सीज कर दिए हैं। जांच के दौरान पुलिस को अलग-अलग बैंकों में फिटजी के सैकड़ों बैंक खाते मिले। मध्यमवर्गीय परिवारों ने अपने खून-पसीने की कमाई जैसे-तैसे इस संस्थान को इस आस में जमा की थी कि उनके बच्चों का भविष्य संवरेगा। कहा जा रहा है कि कई महीनों से वेतन न मिलने की स्थिति में हताश शिक्षकों द्वारा सामूहिक त्यागपत्र के कारण कई सेंटरों पर ताले पड़ गए। छात्रों और अभिभावकों के शोर मचाने पर अन्य केंद्रों से प्रशिक्षकों को लाने के प्रयास किए गए, लेकिन वे नाकाम रहे। इस स्थिति में प्रशासन के पास कोचिंग सेंटरों का संचालन बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहा। कोई ठोस कानून और नियमावली के अभाव में पुलिस एवं प्रशासन अभिभावकों को कोरी सांत्वना के आलावा कुछ भी नहीं दे पाया। प्रतिष्ठित आईआईटी संस्थानों में प्रवेश की गलाकाट प्रतिस्पर्धा का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि प्रतिवर्ष लगभग 14 लाख के आसपास छात्र आवेदन करते हैं। इनमें से केवल लगभग एक प्रतिशत ही आईआईटी में प्रवेश पा पाते हैं। यह एक अलग विषय है कि प्रतियोगी परीक्षा के दुर्गम होते स्तर से प्रतियोगिता के मुख्य उद्देश्य सर्वोत्तम प्रतिभा चयनित करने की पूर्ति हो रही हो या नहीं, लेकिन इतना अवश्य है कि छात्रों एवं अभिभावकों की कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता बढ़ गई है। जैसी प्रतिस्पर्धा जेईई को लेकर देखने को मिलती है, वैसी ही नीट-यूजी को लेकर भी। कठिन प्रतिस्पर्धा के चलते सतत मानसिक दवाब से जूझ रहे किशोरों में मानसिक अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति जैसे बढ़ते विकार किसी से छिपे नहीं हैं। लुभावने वादों के सहारे कठिन प्रतिस्पर्धा को भुनाने वाले कोचिंग संस्थान आज शिक्षातंत्र में विद्यालयों को अप्रासंगिक कर स्वच्छंदता से पनप रहे हैं। इसकी पुष्टि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में गड़बड़ी के बाद गठित की गई उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट से होती है। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि कोचिंग-संस्थानों की कार्यप्रणाली से संबंधित विशेष नीति बनाए जानी चाहिए, क्योंकि उनके द्वारा एक समानांतर शैक्षणिक प्रणाली निर्मित कर ली गई है, जो सीनियर सेकेंडरी स्तर की स्कूली शिक्षा के लिए घातक साबित हो रही है। इस समानांतर प्रणाली के कारण विद्यार्थियों की स्कूली उपस्थिति में भी कमी आई है। बीते दिनों शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति ने भी शिक्षा संस्थानों और कोचिंग संस्थानों के बीच बढ़ते गठजोड़ पर गहरी चिंता जताई और केंद्र सरकार से दोनों के नापाक गठजोड़ को खत्म करने की सिफारिश की। इस समिति ने इस पर भी जोर दिया कि कोचिंग संस्थानों के साथ मिलकर कर काम करने वाले शिक्षा संस्थानों की पहचान कर उनकी मान्यता रद की जाए और उन्हें मिलने वाली वित्तीय मदद रोकी जाए। आज कोचिंग संस्कृति की यह स्थिति है कि छात्र स्कूल जाएं या नहीं, परंतु कोचिंग उसकी दिनचर्या का अनिवार्य अंग बन चुकी है। 2023 में फिटजी का राजस्व लगभग साढ़े पांच सौ करोड़ दर्शाया गया था। देश में फिटजी जैसे अन्य कोचिंग संस्थान भी हैं, जो मोटा मुनाफा कमाते हैं, लेकिन वे किसी संवैधानिक एजेंसी द्वारा विनियमित नहीं हैं। कोचिंग संस्थानों पर उपभोक्ता संरक्षण एवं वाणिज्यिक कानून भी प्रभावी रूप से लागू नहीं पा रहे हैं। नतीजन समय-समय पर छात्र ठगे जाते हैं।गत वर्ष दिल्ली में एक कोचिंग संस्थान के जरिये सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की इस संस्थान के बेसमेंट में पानी भरने से मौत हो गई थी। इसके पहले शैक्षिक स्टार्टअप बायजूस दिवालिया घोषित हो गया था। कोचिंग संस्थानों के मनमाने तरीके से संचालन से छात्रों को केवल वित्तीय हानि ही नहीं उठानी पड़ती, बल्कि उनके समय की भी बर्बादी होती है। छात्रों के साथ अभिभावकों के सपनों पर पानी भी फिरता है। ऐसे में कोचिंग संस्थाओं की मनमानी को महज आर्थिक हानि नहीं माना जाना चाहिए। कोचिंग संस्थानों की मनमाने संचालन से छात्रों के भविष्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को देखते हुए उनके अनुचित कार्यों को गंभीर अपराध की श्रेणी में लाया जाना चाहिए। इसके बिना इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। छात्रों और अभिभावकों के विश्वास को मजबूत करने के लिए कोचिंग संस्थाओं को किसी ठोस कानूनी नियमावली के दायरे में लाया जाना आवश्यक है। इस नियमावली में फीस, शैक्षिक गुणवत्ता के मानक, पाठ्यक्रम, स्टाफ का वेतन आदि महत्वपूर्ण बिंदु शामिल होने चाहिए। गुरुओं के देश भारत के शैक्षिक तंत्र की वर्तमान चुनौतियों का सामना किए बिना समाज के महत्वपूर्ण स्तंभ शिक्षक एवं छात्रों के अधिकारों को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। देखना होगा कि पीड़ितों की वेदना नीति-नियंताओं की चेतना को कब तक जगा पाती है?

मिट्टी में मिल गए सुहाने सपने, केजरीवाल की हार पर कैसी हैरानी

वर्ष 2011 के वे दिन याद करें, जब अन्ना आंदोलन के दौरान भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए जनलोकपाल विधेयक लाने की मांग की जा रही थी। इस आंदोलन ने सारे देश में अलख जगाई और इसका नतीजा यह हुआ कि संसद ने छुट्टी के दिन लोकपाल विधेयक पारित किया। इस आंदोलन की सफलता से उत्साहित केजरीवाल ने राजनीति में न उतरने के वादे और अन्ना हजारे की असहमति के बाद भी 2012 में राजनीतिक दल के गठन का फैसला किया। 2013 में नवगठित आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में 28 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। इन चुनावों में आप ने जिस कांग्रेस का बेड़ा गर्क किया, उसी ने इस डर से केजरीवाल को समर्थन देकर मुख्यमंत्री बना दिया कि भाजपा सत्ता में न आ जाए। केजरीवाल ने जल्द ही कांग्रेस पर यह तोहमत मढ़कर इस्तीफा दे दिया कि वह जनलोकपाल बिल दिल्ली विधानसभा में नहीं लाने दे रही है। वह इस बिल को पेश करने के पहले केंद्र सरकार की अनुमति लेने को तैयार नहीं थे, जो नियमतः आवश्यक थी। केजरीवाल के इस्तीफे से उनके समर्थक नाराज हुए, मगर वह यह संदेश देने में लगे रहे कि भ्रष्टाचार से लड़ाई में कोई समझौता नहीं होगा। बाद में केजरीवाल 49 दिन में सत्ता छोड़ने के फैसले पर बार-बार माफी मांगकर 2015 के विधानसभा चुनाव में उतरे। इस बार उन्होंने 67 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया। फरवरी 2015 में उन्होंने फिर सरकार बनाई, लेकिन जल्द ही यह दिखने लगा कि उनका इरादा जो भी हो, भ्रष्टाचार से लड़ना कतई नहीं है। इसका संकेत तब मिला, जब प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव जैसे केजरीवाल से असहमत लोगों को पार्टी से निकालने या उनके स्वतः बाहर जाने का सिलसिला कायम हो गया और जो जनलोकपाल आप का सबसे बड़ा मुद्दा था, वह नेपथ्य में चला गया। जब यह आवाज उठनी शुरू हुई कि आखिर दिल्ली में कोई लोकायुक्त क्यों नहीं तो दिसंबर 2015 में रेवा क्षेत्रपाल लोकायुक्त बनीं। जनवरी 2019 में जब क्षेत्रपाल ने केजरीवाल समेत उनके विधायकों से अपनी संपत्ति की जानकारी देने का नोटिस जारी किया तो विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कहा कि वह किस कानून के तहत यह जानकारी मांग रही हैं?

यह भी सनद रहे कि आप की कार्यकारिणी ने मार्च 2015 में अपने पहले आंतरिक लोकपाल को हटा दिया। इसके बाद जो आंतरिक लोकपाल बने, उन्होंने कुछ महीने बाद इस्तीफा दे दिया। फिर जो इस पद पर आए, वह तीन माह तक ही टिके। इसके बाद किसी को इस पद पर नहीं लाया गया। इस तरह न बांस रहा और न बांसुरी बजी। दिसंबर 2015 में कथित जनलोकपाल बिल विधानसभा से पास किया गया और उपराज्यपाल के पास भेजा गया। वहां से उसे दिल्ली सरकार को वापस भेज दिया गया। इसके बाद वह कहां गया, इसका पता आज तक नहीं चला। जल्द ही दिल्ली भी भूल गई और देश भी कि एक वक्त किस तरह सारे नेताओं को चोर बताकर इसी जनलोकपाल के लिए आसमान सिर पर उठाया गया था। रेवा क्षेत्रपाल 2020 में रिटायर हो गईं और फिर मार्च 2022 तक यानी दो साल तक लोकायुक्त पद रिक्त बना रहा। नए लोकायुक्त की नियुक्ति तब हुई, जब दिल्ली हाईकोर्ट में इसके लिए जनहित याचिका दायर की गई। 2018 में जब अपने नेताओं को राज्यसभा भेजने की बारी आई तो जाने-पहचाने चेहरों-आशुतोष, कुमार विश्वास आदि के बजाय संजय सिंह और अनजान से, लेकिन अमीर गुप्ताद्वय ने बाजी मार ली। इनमें से एक गुप्ताजी तो एक महीने पहले कांग्रेस में थे। गुप्ताद्वय को राज्यसभा चाहे जिस कारण भेजा गया हो, हम सब जानते हैं कि कुछ लोग पैसे के बल पर राज्यसभा पहुंच जाते हैं। समय के साथ आप तेजी से अन्य दलों जैसी बनने लगी। मौकापरस्त और दलबदलू किस्म के नेता आप में शामिल होने लगे। 2020 में वह फिर से दिल्ली की सत्ता में आ तो गई, लेकिन आप नेताओं की ओर से नई तरह की राजनीति का नाम लेना बंद कर दिया गया और रेवड़ियां बांटने को सफल केजरीवाल माडल बताया जाने लगा। जब शराब नीति घोटाला सामने आया तो आप ने कहा कि यह सर्वश्रेष्ठ शराब नीति है, लेकिन जब शोर बढ़ा तो इसी सर्वश्रेष्ठ नीति को वापस ले लिया गया। इस तरह आप ने खुद ही यह संदेह पैदा कर दिया कि दाल में कुछ तो काला है। भ्रष्टाचार से लड़ने का दावा करने वाला ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिर गया। रही-सही कसर मुख्यमंत्री आवास की अति विलासी साज-सज्जा ने पूरी कर दी। आरोप लगा कि कोरोना काल में इस आवास को शीशमहल जैसा बनाने के लिए 45 करोड़ रुपये खर्च किए गए। ऐसी खबरें आईं कि इस आवास में तमाम महंगे साजो-सामान के साथ आठ-दस लाख रुपये की टायलेट सीट लगाई गईं। आप की हार पर कोई फिल्म बने तो उसका नाम टायलेट-एक पराजय कथा भी हो सकता है। जो भी हो, इस पर यकीन करना अब भी कठिन है कि जो नेता कभी साधारण सी शर्ट, हवाई चप्पल पहनता था, वैगन-आर में चलता था और डंके की चोट पर कहता था कि हम न तो बंगला लेंगे, न सुरक्षा, न बड़ी कारें, उसने राजा-महाराजा जैसी जीवनशैली अपना ली। केजरीवाल की हार पर उन्हें ही हैरानी होनी चाहिए, जो यह भूल गए हों कि नई तरह की राजनीति का नाम लेकर उन्होंने दिल्ली और देश को कैसे सुंदर सपने दिखाए थे।

परस्पर हितों की रक्षा से ही बनेगी बात, भारत को अपनानी चाहिए असल मुद्दों पर मोलभाव की रणनीति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस में एआई शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता करने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के आमंत्रण पर अमेरिका जा रहे हैं। अपनी ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता में लौटे ट्रंप के तेवर काफी बदले हुए हैं। इसलिए प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत-अमेरिकी संबंधों में प्रगति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। ट्रंप ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले उन देशों पर निशाना साधना शुरू किया, जहां से बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी आ रहे हैं और जिनके साथ व्यापार घाटा हो रहा है। उन्होंने मेक्सिको और कनाडा पर 25 प्रतिशत तथा चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया, परंतु चुनाव प्रचार में टैरिफ किंग की संज्ञा देने के बावजूद भारत पर व्यापार टैरिफ की जगह अवैध प्रवासियों के लिए निशाना साधा। अमेरिका में मेक्सिको और अल सल्वाडोर के बाद सबसे बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी भारत से ही जाते हैं। अमेरिका में अब भारतीयों की संख्या लगभग 50 लाख हो चली है, जिनमें से 7,25,000 ऐसे हैं जो या तो अवैध (डंकी) मार्गों से घुसपैठ कर आए हैं या फिर वैध दस्तावेजों के बिना रह रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि भारत से गए अवैध प्रवासियों को अमेरिका ने पहली बार देश से निकाला हो। पिछले वर्ष ही 1,000 से अधिक भारतीयों को निकाला गया था। वर्ष 2018 से 2023 के बीच लगभग 5,500 भारतीयों को निकाला गया, जिनमें से 2,300 अकेले 2020 में निकाले गए थे। हालांकि अभी तक भारतीयों को सेना के विमान में बेड़ियां-हथकड़ियां पहना कर नहीं निकाला गया था। किसी भी देश में अवैध मार्गों से घुसपैठ गंभीर अपराध है। भारत जैसा बड़ा देश न इसका बचाव कर सकता है और न ही इसे बढ़ावा दे सकता है। इसलिए भारत ने अपने अवैध प्रवासियों को वापस लेने में पूरा सहयोग देने की पेशकश की, परंतु भारत जैसे स्वाभिमानी देश को यह भी गवारा नहीं हो सकता कि सहयोग की पेशकश के बावजूद उसके नागरिकों को बेड़ियां-हथकड़ियां पहना कर सैनिक विमानों से भेजा जाए। ऊपर से अमेरिकी सीमा पैट्रोल के प्रमुख माइकल बैंक्स ने उनका वीडियो बनाकर पोस्ट भी किया, जिसे लेकर भारत में राजनीतिक बवाल होना स्वाभाविक था। संसद में पहले तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे निर्वासन की स्थापित अमेरिकी प्रक्रिया बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की, मगर बढ़ते आक्रोश पर विदेश सचिव को सफाई देते हुए स्वीकार करना पड़ा कि भारत ने अमेरिकी सरकार के समक्ष अपने नागरिकों के अपमान का मुद्दा उठाया है, क्योंकि जब इसी शैली में ब्राजीली नागरिकों को वापस भेजा गया था तब ब्राजील सरकार ने भी अपना विरोध दर्ज कराया था। कोलंबिया के वामपंथी राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो तो इतना नाराज हुए थे कि अमेरिकी सैनिक विमान के अपनी धरती पर उतरने को प्रभुसत्ता का अतिक्रमण बता कर विमान को उतरने नहीं

दिया था और बाद में ऊंचे टैरिफ की धमकी से घबराकर अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए अपने विमान भेजे थे। मेक्सिको, कनाडा, चीन और कोलंबिया के खिलाफ ट्रंप की आवेश भरी घोषणाओं के बाद के घटनाक्रम को देखा जाए तो मामूली मोलभाव के बाद ट्रंप ने अपने कदम रोक लिए हैं या वापस ले लिए हैं। ऐसा लगता है कि वह अमेरिकी राजनीति और विश्व व्यवस्था पर अपनी छाप छोड़ने की जल्दबाजी में हैं, इसलिए ध्यान खींचने के लिए सनसनीखेज घोषणाएं करते रहते हैं और मामूली सी रियायत हासिल होने पर भी अपनी जीत बताकर पीछे हट जाते हैं। इसलिए लगता है भारत ने अमेरिका के साथ उत्तरोत्तर प्रगाढ़ होते संबंधों की खातिर संयम से काम लेकर सही किया है। गीदड़ भभकी से डराकर मोलभाव की बाजीगरी के इस खेल की हकीकत अमेरिका के सबसे बड़े व्यापार साझेदार कनाडा, मेक्सिको और चीन समझ चुके हैं। दूसरे देशों के कूटनयिकों और मीडिया को भी इसे समझना होगा। अवैध प्रवासियों की बात करें तो अमेरिका में उनकी संख्या एक करोड़ से भी अधिक पहुंच गई है। पुलिस औसतन 2,000 को रोज पकड़ रही है, जिनमें से अधिकांश पर्याप्त संसाधनों के अभाव में वापस नहीं भेजे जा रहे। ट्रंप ने सत्ता संभालने के बाद सैनिक विमानों और अतिरिक्त अफसरों को इस काम पर लगाया है। एक तो इस काम में नागरिक विमानों की तुलना में दस गुना से अधिक खर्च आता है और दूसरे यदि 3,000 को भी रोज वापस भेजा जाए तब भी इतने लोगों को निकालने में दस साल से ऊपर लगेंगे। इसलिए सैनिक विमानों में बेड़ी और हथकड़ी पहनाकर भेजने का नाटक जिन देशों से अवैध प्रवासी आ रहे हैं, उनमें आतंक और राजनीतिक आक्रोश फैलाने के लिए खेला जा रहा है। ब्रिटेन में भी सुनक सरकार ने अवैध मार्गों से आने वाले शरणार्थियों की बाढ़ को रोकने के लिए उन्हें रवांडा भेजने की योजना बनाई थी, जिसका उद्देश्य यही था। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान भारतीय दल भी ट्रंप प्रशासन के नाटकीय कदमों और बयानों में उलझे बिना अपना विरोध जताकर असल मुद्दों पर मोलभाव की रणनीति अपनाएगा। ट्रंप को अपना व्यापार घाटा कम करने की चिंता है, जिसका समाधान भारत उससे नई रक्षा और क्रिटिकल तकनीक का सामान और गैस खरीद के बदले कर सकता है। बदले में भारत को अपना व्यापार बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और रणनीतिक एवं सामरिक साझेदारी और मजबूत करने की कोशिश करनी चाहिए। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत अमेरिका का प्रमुख सामरिक साझेदार है। वह क्वाड का अहम सदस्य है और उसके सहयोग के बिना चीन के विस्तार पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता। विदेश मंत्री मार्को रूबियो के एक हालिया साक्षात्कार से संकेत मिला कि अमेरिका अब बहुध्रुवीय व्यवस्था को स्वीकार कर रहा है। इसलिए चीन से सीधे टकराव का जोखिम शायद न उठाए, परंतु हिंद-प्रशांत और अरब सागर से लाल सागर तक के आपूर्ति मार्ग को भारत की मदद के बिना चीनी वर्चस्व से मुक्त नहीं रखा जा सकता। ईरान के चाबहार बंदरगाह का मामला भी इसी सुरक्षा से जुड़ा है। उस बंदरगाह के प्रयोग के लिए भारत को मिली छूट का मामला ट्रंप ने रूबियो को सौंप रखा है। भारत को सुनिश्चित करना है कि ट्रंप प्रशासन उसे प्रतिबंधों के दायरे में न डाले।

हाईकोर्ट ने खारिज की संदीप घोष की याचिका, आरोप तय करने की तारीख को टालने की थी मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष की आरोप तय करने की तारीख जिसमें उन्होंने उनके कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनियमितताओं के मामले में आरोप तय करने की तारीख को टालने की मांग की थी। पिछले साल यह मामला तब को निर्देश देने की मांग की थी, क्योंकि वह इस मामले में आरोपी हैं। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने उनकी याचिका को खारिज करे हुए कहा कि विशेष अदालत की ओर से दिए गए आदेश में दखल नहीं दिया जा सकता। सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अशोक कुमार चक्रवर्ती पेश हुए और उन्होंने घोष की याचिका का विरोध किया। चक्रवर्ती ने कहा कि यह याचिका उच्च न्यायालय में दायर करने के योग्य नहीं है। एएसजी अशोक कुमार चक्रवर्ती ने कहा कि मामले के पांच आरोपियों में से तीन ने निचली अदालत में रिहाई याचिकाएं दायर की हैं, लेकिन घोष ने ऐसा कोई आवेदन नहीं किया है। घोष के वकील ने दावा किया उच्च न्यायालय के आदेश के बाद निचली अदालत ने जो आदेश दिए हैं, उससे उनके मुवक्किल को नुकसान हुआ है। उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपते हुए 28 जनवरी को आदेश दिया था कि आरोप तय करने की प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए। सीबीआई ने सितंबर 2024 में घोष और चार अन्य को गिरफ्तार किया था।

टालने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। यह मामला पिछले साल तब सुर्खियों में आया था जब कॉलेज में एक छात्रा से दुष्कर्म और हत्या की घटना हुई थी।कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष की उस याचिका को खारिज किया, सुर्खियों में आया था, जब मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में एक छात्रा से दुष्कर्म की घटना हुई और उसकी हत्या कर दी गई। इस घटना से देशभर में आक्रोश फैल गया था। संदीप घोष ने उच्च न्यायालय से आरोप तय करने की तारीख को टालने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत

अमित शाह बोले, प्रतिबंधित संगठनों के साथ समझौतों से राज्य में आई शांति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रतिबंधित संगठनों के साथ हुए तीन समझौतों से त्रिपुरा में शांति और समृद्धि आई है। यही त्रिपुरा सरकार के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने पिछले सात वर्षों में कांग्रेस

नहीं त्रिपुरा और देश के बाकी हिस्सों के बीच भूमि, हवाई और रेल संपर्क में बेहतर सुधार हुआ है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा देश के अन्य हिस्सों से पूरी तरह से जुड़ गया है। प्रतिबंधित संगठनों के साथ समझौतों से इस पूर्वोत्तर राज्य में शांति एवं समृद्धि आई है। शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अगरतला में एवं वाममोर्चा के कई दशकों के शासन की तुलना में अधिक उपलब्धियां हासिल की हैं। पिछले 10 वर्षों में प्रतिबंधित संगठनों के साथ हुए तीन समझौतों से त्रिपुरा में शांति और समृद्धि आई है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में माणिक साहा के नेतृत्व वाली सरकार ने बिना किसी भेदभाव के 'मल्टी-टास्किंग स्टाफ' (ग्रुप-डी) के 2,806 पदों के लिए भर्ती अभियान पूरा कर लिया है। भाजपा नेता इस बात पर जोर देते रहे हैं कि पिछले कुछ वर्षों में त्रिपुरा और देश के बाकी हिस्सों के बीच भूमि, हवाई और रेल संपर्क में बेहतर सुधार हुआ है। भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन 2018 से राज्य में शासन कर रहा है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया। शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर दो दिन में दो उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण केंद्र शासित प्रदेश में आतंक का पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर हो गया है। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि गृहमंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को शून्य घुसपैठ के लक्ष्य के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य आतंकवादियों को जड़ से उखाड़ फेंकना होना चाहिए।

सीएम ने 'स्वच्छ शहर-समृद्ध शहर' पहल और 'एक राज्य एक पोर्टल' का किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शहरी विकास विभाग की ओर से पीटरहॉफ में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि एक राज्य-एक पोर्टल पहल के तहत नागरिक में ऑनलाइन 9 आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाएंगी, जिनमें 7 सेवाएं नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप और दो शहरी स्थानीय निकायों के प्रबंधन के लिए डिजाइन की गई हैं। इसके माध्यम से व्यापार

लाइसेंस, संपत्ति कर प्रबंधन, शिकायत निवारण, सामुदायिक स्थानों की बुकिंग सहित अनेक जन सेवाएं लोगों को ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। आने वाले समय में इस प्लेटफार्म के माध्यम से 45 सेवाएं प्रदान की जाएंगी।सीएम ने शहरी विकास विभाग सेवा पोर्टल को आरंभ करने का उद्देश्य राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकायों में एक एकीकृत एंड-टू-एंड ऑनलाइन समाधान प्रदान करना है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शहरी विकास विभाग के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम स्वच्छ शहर-समृद्ध शहर पहल और नागरिक सेवा पोर्टल का शुभारंभ किया। एक राज्य एक पोर्टल पहल के तहत नागरिक सेवा पोर्टल मूँर्गेहॉर्न्.प्ज् ुदन्.ग्ह प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा। अब शहरी निकायों की ओर से पीटरहॉफ में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि एक राज्य-एक पोर्टल पहल के तहत नागरिक सेवा पोर्टल को आरंभ करने का उद्देश्य राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकायों में एक एकीकृत एंड-टू-एंड ऑनलाइन समाधान प्रदान करना है। स्वच्छ शहर-समृद्ध शहर कार्यक्रम के तहत शहरी स्थानीय निकायों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और कचरे के प्रबंधन के लिए विभिन्न पहल की जाएगी।

नैनीताल से कालाढूंगी जा रही अर्टिगा कार ब्रेक फेल होने के बाद पलटी, आठ घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कार में सवार आठ लोग दब गए। मौके पर स्थानीय लोग व पेट्रोलिंग कर रही पुलिस टीम पहुंची। सभी घायलों को गया। इस कर में कुल आठ लोग सवार थे। वाहन पलटने से सभी इसमें दब गए। घटना की सूचना पर तत्काल मंगोली चौकी इंचार्ज भूपेंद्र मेहता मय पुलिस टीम के साथ

कालाढूंगी के अस्पताल भेजा। सभी की हालत खतरे से बाहर है। हल्द्वानी कालाढूंगी मार्ग पर पुलिस चौकी मंगोली क्षेत्र के ग्राम नलनी के पास बुधवार की देर शाम 8:00 बजे के करीब दिल्ली जा रही अर्टिगा कार ब्रेक फेल होने की वजह से पलट गई। कार में सवार आठ लोग दब गए। मौके पर स्थानीय लोग व पेट्रोलिंग कर रही पुलिस टीम पहुंची। सभी घायलों को कालाढूंगी के अस्पताल भेजा। सभी की हालत खतरे से बाहर है। अर्टिगा कार नैनीताल से कालाढूंगी की ओर जा रही थी। अचानक से गाड़ी का ब्रेक फेल हो गया। ब्रेक फेल होने के कारण यह वाहन मार्ग पर पलट मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू किया। स्थानीय जनता की मदद से सभी घायलों को तत्काल अपने निजी वाहन से कालाढूंगी अस्पताल भिजवाया गया। त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन के कारण घायलों की जान बचाई जा सकी। घटना में दीपाक्षी शर्मा 40 वर्ष, कृष्णा नगर, गाजियाबाद, अंबिका शर्मा उम्र 16 वर्ष, रचित शर्मा उम्र 19 वर्ष, अमित शर्मा उम्र 42 वर्ष, पारुल शर्मा उम्र 25 वर्ष, हेमा शर्मा उम्र 48 वर्ष, कार्तिक शर्मा उम्र 23 वर्ष तथा जीतराम उम्र 45 वर्ष चालक निवासी सेक्टर 87, साईं रोड, फरीदाबाद, हरियाणा को चोटे आई हैं। इन सभी की हालत खतरे से बाहर है।

सुबह-शाम ठंड, दिन में गर्मी कर रही परेशान, आज सुबह कुछ जगह कोहरे की संभावना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार बृहस्पतिवार को कुछ स्थानों पर सुबह हल्के से मध्यम स्तर पर कोहरे की संभावना है। शाम व रात में स्मॉग-धुंध का अनुमान है। राजधानी में सुबह-पहुंच गया। वहीं, सुबह सात से साढ़े आठ तक सफदरजंग एयरपोर्ट में दृश्यता 1000 मीटर, पालम एयरपोर्ट में 800 मीटर रही। वहीं, यातायात के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के

शाम को ठंड का अहसास हो रहा है। लेकिन, अब दिन में गर्मी महसूस होने लगी है। बुधवार को आलम यह रहा कि सुबह साढ़े आठ बजे से पहले लोधी रोड, सफदरजंग, रिज व आया नगर केंद्र में हल्की बारिश हुई। वहीं, दिन में सूरज की तपिश तेज हो गई। हालांकि मतदान करने के बाद लोग धूप का आनंद लेते दिखे। न्यूनतम तापमान बुधवार को 1.6 डिग्री वृद्धि के साथ 11 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 23.7 डिग्री अनुसार बृहस्पतिवार को कुछ स्थानों पर सुबह हल्के से मध्यम स्तर पर कोहरे की संभावना है। शाम व रात में स्मॉग-धुंध का अनुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 और 9 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। वहीं, ठंड बढ़ने के आसार हैं। आया नगर में बुधवार को न्यूनतम तापमान अन्य जगहों के मुताबिक सबसे कम 9.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, पालम में 9.6, लोधी रोड में 10.1 और रिज में 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली में चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न, पुलिस ने ली राहत की सांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को चुनाव से संबंधित सिर्फ 170 कॉल मिलीं। इसमें कोई भी गंभीर, मारपीट व गोली चलने की कॉल नहीं मिली थी। दिल्ली विधानसभा शांतिपूर्ण कि सभी पार्टियों की तरफ से ज्यादातर कॉल आचार संहिता के उल्लंघन की मिली थीं। उन्होंने बताया कि कॉल आने के बाद अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचकर समाधान निकाल रहे थे। जरूरत उम्मीदवार के खिलाफ धारा 223/3/5 बीएनएस और 126 आरपीएक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। संगम विहार थाने में आप उम्मीदवार दिनेश मोहनिया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

संपन्न होने से दिल्ली पुलिस ने राहत की सांस ली है। दिल्ली पुलिस को चुनाव से संबंधित सिर्फ 170 कॉल मिलीं। इसमें कोई भी गंभीर, मारपीट व गोली चलने की कॉल नहीं मिली थी। भारी संख्या में फोर्स सड़कों पर रहने से दिल्ली पुलिस को पीसीआर कॉल भी कम मिलीं। दिल्ली पुलिस के विधानसभा चुनाव के नोडल अफसर विशेष पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने चुनावों के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। इसका परिणाम यह रहा कि विधानसभा के लिए चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। दिल्ली पुलिस को चुनाव में किसी तरह की गड़बड़ व झगड़े की सूचना नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस कंट्रोल में चुनाव से संबंधित 170 कॉल मिली थीं। इसमें दो कॉल व्हील चेयर नहीं होने की थी। इसके अलावा मेरा वोट को कोई डाल गया, भाजपा नेता झगड़ा कर रहे हैं, पोलिंग स्टेशन से बाहर पार्टी टेबल पर प्रत्याशियों की फोटो लगाने और झगड़ा हो रहा है कि इस तरह की सूचनाएं मिलीं। जंगपुरा में सभी पार्टियों की टेबल पर भगवा झंडा लगा होने की सूचना मिली। पुलिस गोलीबारी, गंभीर झगड़ा व तोडफ़ोड़ की सूचना नहीं मिली थीं।नोडल अफसर देवेश श्रीवास्तव ने बताया पड़ने पर कानूनी कार्रवाई की गई थी। दिल्ली पुलिस ने शुरू से ही विक्लांग, बुजुर्ग लोगों की भरपूर सहायता की थी। खुद दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा मतदान केंद्रों पर गए थे। दिल्ली पुलिस का चुनाव आयोग के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखा। सोशल मीडिया पर नजर रखी गई। ओखला से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार अमानतुल्लाह खान के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने जामिया नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने चुनाव आचार संहिता का बीती रात उल्लंघन किया। वह बीती रात बड़ी तादाद में लोगों को अपने साथ लेकर अपने विधानसभा क्षेत्र में घूम रहे थे। इसके बाद पुलिस को जानकारी मिली और पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाया। रात करीब 1.00 बजे पुलिस टीम ने नोटिस किया कि टोबा कॉलोनी जाकिर नगर में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार अमानतुल्लाह अपने करीब 100 समर्थकों के साथ चुनाव प्रचार कर रहे थे, जिन्होंने आदर्श आचार संहिता और एसीपी एनएफसी द्वारा जारी अधिसूचना का उल्लंघन किया। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने एक्स पर पोस्ट डालकर बताया कि आप उन पर आरोप है कि उन्होंने महिला की तरफ अभ्रद इशारा किया। हालांकि आप समर्थकों का कहना है कि वह मतदान के लिए अपील कर रहे थे। बुधवार शाम छह बजे मतदान खत्म होने के बाद संगम विहार के रतिया मार्ग पर आप व भाजपा समर्थकों के बीच जमकर हंगामा हुआ। आप के समर्थकों का कहना था कि आप उम्मीदवार दिनेश मोहनिया मतदान खत्म होने के बाद वापस लौट रहे थे। जब वह रतिया मार्ग पर भाजपा कार्यालय के पास पहुंच तो वहां जाम लग गया। आरोप है कि इस दौरान भाजपा कार्यालय से आए लोगों ने डंडे-लाठी से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में दिनेश मोहनिया को चोट लगी है। वहीं भाजपा के लोगों का आरोप है कि आप समर्थकों ने उनके कार्यालय में जाकर तोडफ़ोड़ की है। हंगामे के बाद भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। रतिया मार्ग को बंद कर दिया था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान भी खुद अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए।विधानसभा चुनाव में दिल्ली के 11 जिलों में 19 जगहों पर स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। बुधवार शाम मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम को कड़ी सुरक्षा में स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया। इन स्ट्रांग रूम की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। मतगणना आठ फरवरी को होगी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार 350 सीसीटीवी की निगरानी में वोटों की गिनती होगी। इसके साथ ही सशस्त्र पुलिस बल भी तैनात किया जाएगा। उत्तरी जिले में बादली स्थित जीबीएसएस स्कूल में नरेला, बादली, बवाना और रोहिणी विधानसभा के लिए मतगणना होगी। भारत नगर स्थित एसकेवी में आदर्श नगर, शकूर बस्ती, वजीरपुर और मॉडल टाउन। उत्तर पूर्वी जिले के शास्त्री पार्क स्थित जीबीएसएस स्कूल में सीलमपुर, घोंडा और नंद नगरी में न्यू बिल्डिंग आईटीआई में गोकलपुर, मुस्तफाबाद, करावल नगर। नई दिल्ली जिले की गोल मार्केट स्थित अटल आदर्श बंगाली स्कूल में पटेल नगर, ग्रेटर कैलाश, प्राथमिक स्कूल में दिल्ली कैंट, नई दिल्ली, अटल आदर्श बंगाली बालिका स्कूल में राजेंद्र नगर और आरके पुरम विधानसभा के लिए मतगणना होगी। शाहदरा जिले में ओल्ड बिल्डिंग आईटीआई में विश्वास नगर, शाहदरा, सीमापुरी, नंद नगरी, रोहतास नगर, बाबरपुर। दक्षिणी जिले में जीजा बाई आईटीआई फॉर वूमेन में मालवीय नगर, महरौली, छतरपुर, अगस्त क्रांति मार्ग में देवली, अंबेडकर नगर। मध्य जिले में धीरपुर स्थित सर सीवी रमण आईटीआई में बुराड़ी, तिमारपुर, सदर बाजार, चांदनी चौक, मटियामहल, बल्लीमारान, करोल बाग। दक्षिण पश्चिम जिले के द्वारका सेक्टर तीन स्थित एनएसयूटी में विकासपुरी, उत्तम नगर, द्वारका, मटियाला, नजफगढ़, बिजवासन, पालम विधानसभा के लिए मतगणना होगी। वहीं, उत्तर पश्चिम जिले के घेवरा स्थित छोटू राम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में रिठाला, मुंडका, किराड़ी, मंगोलपुरी की आईटीआई में सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी। वहीं, पीतमपुरा के कस्तूरबा इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में शालीमार बाग, त्रिनगर।

विद्यार्थियों के साथ शिक्षा मंत्री और निदेशक भी जाएंगे विदेश, 8 फरवरी से शुरू होगा एक हफ्ते का दौरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विदेश दौरे पर उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक आशीष कोहली और समग्र शिक्षा विदेश यात्रा के लिए रवाना करेंगे। 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 50 विद्यार्थियों का विदेश भ्रमण के लिए चयन किया गया है। 11वीं कक्षा से 20 और 12वीं कक्षा से

के परियोजना निदेशक राजेश शर्मा भी शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के साथ जाएंगे।शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और उच्च व प्रारंभिक शिक्षा निदेशक भी विद्यार्थियों के साथ एक्सपोजर विजिट पर विदेश जाएंगे। आठ फरवरी से सिंगापुर, कंबोडिया समेत कुछ अन्य देशों का एक सप्ताह का दौरा शुरू होगा। इस दौरान विदेश में शिक्षा देने के मॉडल और आधुनिक तकनीकों पर मंथन किया जाएगा। विदेश दौरे पर उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक आशीष कोहली और समग्र शिक्षा के परियोजना निदेशक राजेश शर्मा भी मंत्री के साथ जाएंगे।प्रदेश के 50 विद्यार्थियों का एक्सपोजर विजिट के लिए चयन हुआ है। ये बच्चे 8 से 18 फरवरी तक विदेश भ्रमण पर रहेंगे। बच्चों के साथ शिक्षक भी जाएंगे। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शिमला से 7 फरवरी को 20 उन विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिन्होंने 10वीं कक्षा की परीक्षा में 95 फीसदी या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चार, गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए दो एनसीसी कैडेट, एक एनएसएस स्वयंसेवक, एक स्काउट एंड गाइड और राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि में शामिल एक विद्यार्थी को भी विदेश भ्रमण के लिए चुना गया है।एक्सपोजर विजिट पर सिंगापुर जाने वाले 50 शिक्षकों के साक्षात्कार के आधार पर नाम शार्टलिस्ट हो गए हैं। उच्च शिक्षा निदेशालय की कमेटी ने 100 से अधिक शिक्षकों के साक्षात्कार लेकर और आवश्यक दस्तावेजों की जांच करने के बाद नाम शार्टलिस्ट कर निदेशक को सौंप दिए हैं। अब शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की मंजूरी लेने के बाद उच्च शिक्षा निदेशालय के तहत आने वाले 50 शिक्षकों के नाम फाइनल कर दिए जाएंगे।

उत्तराखंड इतिहास रचने को तैयार पदकों की संख्या चार स्वर्ण समेत 33 के पार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राष्ट्रीय खेलों में बुधवार को उत्तराखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा। लॉन बाल के अंडर-25 बालक वर्ग चमोली जिला निवासी उत्कृष्ट द्विवेदी ने की चंद्रयोगिता ने कांस्य और पुरुष युगल में उत्सव व अभिषेक ने कांस्य पदक जीता।रोइंग में उत्तराखंड को दो रजत व एक कांस्य मिला। कैनोइंग में भी राज्य को एक कांस्य मिला। बॉक्सिंग में निवेदिता, काजल

स्वर्ण पदक जीता।राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड इतिहास रचने को तैयार है। बुधवार को पदकों की संख्या चार स्वर्ण सहित 33 हो गई। बॉक्सिंग में पांच पदक पक्के हो गए हैं। कर्नाटक 28 स्वर्ण सहित 54 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर है।राष्ट्रीय खेलों में बुधवार को उत्तराखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा। लॉन बाल के अंडर-25 बालक वर्ग चमोली जिला निवासी उत्कृष्ट द्विवेदी ने स्वर्ण पदक जीता। पौड़ी फस्वार्ण, कपिल पोखरिया, हिमांशु सोलंकी व नरेंद्र सिंह का पदक पक्का हो गया है। राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक 28 स्वर्ण सहित 54 पदकों के साथ शीर्ष पर है। वहीं, सर्विसेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 स्वर्ण, 10 रजत और नौ कांस्य पदकों के साथ 46 पदक जीते हैं। जबकि मध्य प्रदेश महाराष्ट्र को तीसरे स्थान से हटाकर तीसरे स्थान पर आ गया है। मध्य प्रदेश ने 17 स्वर्ण सहित 34 पदक जीते हैं।

सरकार सख्त, बिना अनुमति विदेश दौरे पर नहीं जा सकेंगे अब अफसर, कार्रवाई के प्रति चेताया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बुधवार को कार्मिक सचिव एम सुधा देवी ने विदेश प्रशिक्षण और यात्राओं को लेकर मनमानी कर रहे आईएएस, एचएएस और सचिवालय सेवाओं के अफसरों पर सरकार ने सख्ती करने का फैसला लिया है। बुधवार

सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। अब सरकार के अफसर अब बिना अनुमति विदेश दौरों पर नहीं जा सकेंगे। पढ़ें पूरी खबर... हिमाचल प्रदेश सरकार के अफसर अब बिना अनुमति विदेश दौरों पर नहीं जा सकेंगे। विदेशी दौरों को लेकर को कार्मिक सचिव एम सुधा देवी ने विदेश प्रशिक्षण और यात्राओं को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। बिना मंजूरी जाने वाले अधिकारियों को कंडक्ट रूल्स के तहत कार्रवाई के प्रति भी चेताया गया है।कार्मिक विभाग की ओर से सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, जिला उपायुक्तों, मंडलायुक्तों और निगम व बोर्डों के प्रबंध निदेशकों को मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना की ओर से जारी पत्र में कहा है कि आईएएस, एचएएस और सचिवालय सेवाओं के अधिकारी विदेश जाने के मामले में पहले कार्मिक विभाग से अनुमति लें। बाद में भेजे गए आवेदनों को कंडक्ट रूल्स की अवहेलना माना जाएगा।पत्र में स्पष्ट किया गया है कि आईएएस, एचएएस और एचपीएसएस अधिकारियों के लिए कार्मिक विभाग ही काडर नियंत्रण अथॉरिटी है। ऐसे में उनके नाम विदेशों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों और दौरों के लिए सीधे तौर पर नहीं भेजे जा सकते हैं। इन्हें कार्मिक विभाग की प्रारंभिक मंजूरी लेनी होगी। कार्मिक विभाग के ध्यान में आया है कि कुछ विभाग कार्मिक विभाग से प्रारंभिक स्वीकृति लिए बगैर ही विदेशी प्रशिक्षण और दौरे के लिए अधिकारियों के नामों की संस्तुति कर रहे हैं। विदेश दौरे के लिए नाम मंजूर किए जाने के बाद ही कार्मिक विभाग में आ रहे हैं। ऐसे भी कई मामले सामने आए हैं कि काडर क्लीयरेंस के बिना ही कई अधिकारी विदेश दौरे पर भी चले गए हैं। यह कंडक्ट नियमों की पूरी तरह से अवहेलना है। कार्मिक सचिव ने कहा कि भविष्य में आईएएस, एचएएस, एचपीएसएस अधिकारी और विभागाध्यक्षों को विदेश दौरों पर नहीं भेजा जाएगा, जब तक कि उन्हें कार्मिक विभाग की मंजूरी नहीं मिल जाए। कार्मिक विभाग ने परिपत्र में वर्ष 2016, 2017, 2018 और 2023 के पिछले संचार का संदर्भ देते हुए यह भी स्पष्ट किया गया है कि इन श्रेणियों का कोई भी अधिकारी कार्मिक विभाग से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किए बिना प्रशिक्षण या छुट्टी सहित कोई भी विदेश यात्रा नहीं करेगा। इसके अलावा नियंत्रण अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यदि अधिकारियों को अपेक्षित मंजूरी नहीं मिली है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

70 के दशक की फिल्म से गुलजार होंगे सिनेमाहॉल, इस तारीख को रिलीज होगी 'कभी कभी'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन, राखी और शशि कपूर अभिनीत फिल्म 'कभी कभी' सिनेमाघरों में कभी' रिलीज होने वाली है। अमिताभ बच्चन, शशि कपूर और राखी जैसे सितारों से सजी फिल्म 'कभी कभी' को एक बार फिर 'कभी कभी' मूल रूप से साल 1976 में रिलीज हुई। यह यश चोपड़ा की निर्देशक के रूप में 'दीवार' के बाद दूसरी फिल्म

फिर रिलीज होने जा रही है। तारीख जान लेते हैं।नई फिल्मों की रिलीज के साथ-साथ पुरानी फिल्मों को रिलीज किए जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। बीते वर्ष 90 के दशक की कई फिल्मों को सिनेमाघरों में फिर से दिखाया गया। अब इस साल 70 के दशक की क्लासिक फिल्म 'कभी सिनेमाघरों में देखने का मौका मिलने वाला है। इस फिल्म को फिर से रिलीज किया जा रहा है। 31 जनवरी 2025 से फिल्म थिएटर्स में देखी जा सकेगी। इस फिल्म का निर्देशन यश चोपड़ा ने किया था। इसमें ऋषि कपूर, वहीदा रहमान और नीतू सिंह जैसे सितारे भी नजर आए। फिल्म थी। इस फिल्म का म्यूजिक खूब हिट रहा। फिल्म का गाना 'कभी कभी मेरे दिल में' आज भी सुना जाता है। गीतकार साहिर लुधियानवी को इसके लिए सर्वश्रेष्ठ गीतकार का पुरस्कार मिला था। इसके अलावा सिंगर मुकेश को बेस्ट प्लेबैग सिंगर का अवॉर्ड मिला।

अब परिवार संग स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते 'देवा' स्टार, शाहिद कपूर बोले- इमोशनली हर्ट होते है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर ने हाल ही में अपनी पत्नी मीरा राजपूत और घर के बाकी सदस्यों को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि परिवार के साथ काम करना अच्छा विचार नहीं है क्योंकि इससे कई दिक्कते पैदा हो सकती हैं। आइए जानते हैं देवा स्टार ने ऐसा क्यों कहा शाहिद कपूर और मीरा राजपूत कई विज्ञापनों में एक साथ नजर आ चुके हैं। वहीं शाहिद पिता पंकज के साथ भी कई फिल्में कर चुके हैं। लेकिन अचानक ऐसा क्यो हो गया है कि शाहिर अब अपने परिवार के साथ फिल्मों में अभिनय नहीं करना चाहते हैं। शाहिद कपूर ने अपने पिता पंकज कपूर के साथ मौसम और जर्सी जैसी फिल्मों में काम भी किया है। हालांकि, उन्होंने खुलासा किया है कि वह अब अपने परिवार के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। शाहिद ने कहा कि काम और परिवार को अलग रखना सबसे अच्छा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने कहा, ठमैं परिवार के साथ काम नहीं करना चाहता, यह अच्छा विचार नहीं है। परिवार और काम को अलग-अलग तरीके से निपटाया जाना चाहिए। अगर वे एक साथ आते हैं, तो यह मुश्किल भरा हो जाता है। मैं उनके साथ काम नहीं करना चाहता क्योंकि अगर मैंने कुछ कहा तो उनकी भावनाएं आहत होंगी।कथित तौर पर इस दौरान शाहिद ने अपनी मां नीलिमा अजीम और पत्नी मीरा राजपूत के बारे में कहा, ठआपके जीवन में हमेशा महिलाएं ही होती हैं, वे आपको बताती हैं कि आप कितने अच्छे या बुरे हैं। मेरी पत्नी और मां दो ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी मैं बहुत सुनता हूं। मैं उन पर भरोसा करता हूं, अगर वे कुछ ऐसा कहती हैं जो अच्छा नहीं लगता, तो मैं जानता हूं कि वे ऐसा इसलिए कह रही हैं क्योंकि मुझे इसे सुनना है। काम की बात करें, शाहिद कपूर अपनी आगामी फिल्म 'देवा' में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभा में नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहिद के साथ पूजा हेगड़े, पावेल गुलाटी, प्रवेश राणा और कुब्रा सैत भी नजर आएंगे। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ रॉय कपूर और उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, देवा 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बच्चा दोनों की जिम्मेदारी है, नौकरी छोड़ने की उम्मीद महिला से क्यों

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म 'मिसेज' अगले महीने ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। हाल ही में अपनी इस फिल्म के बहाने अभिनेत्री ने समाज की जाने वाली उम्मीदों और भेदभाव पर बात करती दिखीं। फिल्म 'मिसेज' में सान्या मल्होत्रा एक हाउस वाइफ के रोल में हैं, जो प्रतिभाशाली डांसर है। एक पुरुष प्रधान घर में शादी के बाद उसकी

में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव पर बात की।अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म 'मिसेज' को लेकर चर्चा में हैं। कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित हो चुकी और तारीफ बटोर चुकी फिल्म अब ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में सान्या एक प्रतिभाशाली डांसर की भूमिका में हैं, जिसकी जिंदगी शादी के बाद एक नाटकीय मोड़ लेती है। हाल ही में अभिनेत्री अपनी इस फिल्म के बहाने समाज में महिलाओं से जिंदगी में बड़े बदलाव आते हैं। फिल्म समाज में महिला और पुरुषों के बीच मौजूद भेदभाव को दिखाती है। आरती कडव के निर्देशन में बनी फिल्म 'मिसेज' के बहाने सान्या मल्होत्रा ने समाज में महिलाओं से की जाने वाली गैर-जरूरी उम्मीदों पर बात की। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में सान्या ने समाज के रवैये पर बात की, जिसमें शादी और बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं को नौकरी छोड़ देने के लिए कहा जाता है।

दलपति विजय की 69वीं फिल्म 'जन नायकन' का इंतजार, करोड़ों में बिके ओवरसीज राइट्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दलपति विजय की आगामी 69वीं फिल्म का नाम सामने आ चुका है। फिल्म का नाम जन नायकन रखा गया है। ताजा जानकारी के अनुसार, रिलीज से

पहले फिल्म के ओवरसीज राइट्स करोड़ो में बिकने की बात सामने आई है।दलपति विजय इन दिनों फिल्म जन नायकन को लेकर जमकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म की रिलीज का प्रशंसकों को इंतजार है, वहीं फिल्म के ओवरसीज राइट्स करोड़ों में बिक गए हैं। आइए जानते हैं विजय की फिल्म के विदेशी अधिकार को कितने करोड़ों में बेचा गया ह दलपति विजय की 69वीं फिल्म का आधिकारिक नाम जन नायकन रखा गया है, जिसकी घोषणा के साथ ही दो आकर्षक पोस्टर भी जारी किए गए, जिससे फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। एच. विनोथ द्वारा निर्देशित इस राजनीतिक एक्शन थ्रिलर में पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। सोशल मीडिया पर दलपति की इस फिल्म की जबर्दस्त चर्चा हो रही है, जिससे विजय के प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के विदेशी अधिकार 75 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं, जो कि रिफंडेबल एडवांस बेसिस पर है, जिसने कॉलीवुड के इतिहास में तमिल सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। जन नायकन विजय की आखिरी फिल्म के रूप में प्रशंसकों के लिए विशेष महत्व रखती है। केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा समर्थित इस फिल्म में दलपति विजय के अलावा बॉबी देओल, प्रकाश राज, ममिता बैजू और अन्य शामिल हैं और फिल्म का संगीत अनिरुद्ध ने तैयार किया है। हाल ही में फिल्म दलपति विजय के करियर की आखिरी फिल्म का ऑफिशियल पोस्टर और टाइटल को जारी कर दिया गया है। फिल्म का टाइटल 'जन नायकन' रखा गया है। नाम के साथ विजय का नया पोस्टर भी जारी किया गया, जिसमें वह प्रशंसकों के बीच सेल्फी लेते नजर आए। यह फिल्म अगले साल यानी 2026 में पोंगल के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। 'जन नायकन' से पहले दलपति 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' (उँध्ँऊ) में नजर आए थे। प्रशंसकों को विजय की आखिरी फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

करीना के भाई जहान कपूर ने सैफ पर हुए हमले को डरावना बताया, बोले यह परेशान करने वाली बात रही

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इन दिनों करीना कपूर के कजिन जहान कपूर अपनी एक वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में जहान कपूर ने सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर भी बात की। वह इसे परिवार के लिए डरावनी घटना बता रहे हैं। करीना कपूर के कजिन जहान कपूर विक्रमादित्य मोटवानी की वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आ रहे हैं। यह सीरीज तिहाड़ जेल की सच्ची घटनाओं पर आधारित है। सीरीज में जहान कपूर के काम की तारीफ हो रही है। हाल ही में इसी सीरीज को लेकर जहान कपूर ने एक इंटरव्यू दिया। इस दौरान सैफ अली खान पर हुए हमले का भी जिक्र किया।जहान कपूर ने सैफ अली खान पर हुए हमले के बारे में कहा- 'यह बहुत ही परेशान करने वाली बात रही।' वह कहते हैं कि इस घटना का असर परिवार और उनकी मेंटल हेल्थ पर भी हुआ है। वह इस घटना को मुश्किल से भूलाने वाला बताते हैं। जहान कपूर का यह भी मानना है कि सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद काफी चीजें उनके आसपास बदल गई हैं। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता कि कोई इस घटना को समझ सकता है। यह क्यों हुई? इसका कारण क्या था? यह सब बहुत ही कंफ्यूजिंग है।सैफ अली खान पर हुए हमले और इससे जुड़े केस में नए मोड़ आ रहे हैं। इस बारे में जब जहान कपूर से जब पूछा गया तो वह टिप्पणी करते हुए अलर्ट नजर आए। वह बताते हैं कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। जहान कपूर कहते हैं, 'मुझे बस उम्मीद है कि इस बुरी घटना से परिवार उबर जाए, क्योंकि मुझे पता है कि यह हम सबके लिए बहुत ही मुश्किल समय है।

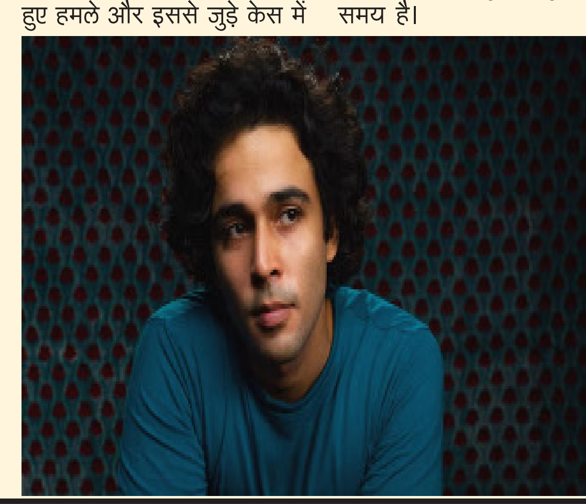

रमा शर्मा की दमक से चमकी बेटियों पर बनी स्पेशल सीरीज, सपनों की हिमालय सी चढ़ाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मेडिकल ड्रीम्स' सीरीज का टीजर जारी हुआ है। इसमें नीट परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की जद्दोजहद दिखाई गई है।डॉक्टर बनने का सपना और उस

सपने को पूरा करने के लिए नीट परीक्षा (ऺं) क्लियर करना! सपना पूरा करने का रास्ता इसी परीक्षा से होकर गुजरता है और इस सपने को देख चुके छात्रों की स्थिति को दिखाने वाली एक सीरीज आ रही है। नाम है 'मेडिकल ड्रीम्स'। इसमें शरमन जोशी मुख्य भूमिका में हैं। वे मेडिकल परीक्षा की तैयारी कराने वाले मास्टर हैं, जो कोचिंग में बैठे छात्रों को मोटिवेट करते दिख रहे हैं। सीरीज का टीजर जारी हो गया है।'मेडिकल ड्रीम्स' यूट्यूब चैनल गर्लियापा की ऑरिजनल सीरीज है, जो अपने महिला केंद्रित शॉर्ट विडियोज और युवाओं पर आधारित शो के लिए लोकप्रिय है। टीजर की शुरुआत में शरमन जोशी क्लास में बैठे छात्रों को बता रहे हैं, 'दुनिया में सबसे ज्यादा भरोसा लोग डॉक्टर्स पर ही करते हैं। आप सबने अगर ठान ही लिया है कि डॉक्टर बनना है तो याद रखिए, किसी भी क्षेत्र का डॉक्टर बनने का रास्ता नीट से होकर ही जाता है और ये नीट क्लियर करना ऐसा ही है, जैसे माउंट एवरेस्ट चढ़ना'। इस सीरीज में शरमन जोशी के अलावा रमा शर्मा अहम भूमिका में हैं। वे मेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देखने वाली बेटियों की राह में आने वाली तमाम मुश्किलों और मन की दुविधाओं को टीजर में बखूबी दिखाती नजर आई हैं। इस सीरीज का निर्देशन आशुतोष पंकज ने किया है। इसे स्वाति जैन. अभिषेक श्रीवास्तव, स्वर्णदीप बिस्वास और निकिता ओखाडे ने लिखा है सीरीज कब रिलीज होगी अभी इस पर कोई अपडेट नहीं आया है। रमा शर्मा की बात करें तो वे यूपी के दादरी की रहने वाली हैं। वे जीशान अयबू की सीरीज 'लल्ला' में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा तिग्मांशु धूलिया की सीरीज 'गर्मी' में काम कर चुकी हैं। फिल्म 'अखूनी' में भी वे नजर आईं। अमर उजाला के साथ खास बातचीत में रमा ने बताया कि यह फिल्म उनके करियर का टर्निंग पॉइंट रही।

एल 2 एमपुरान' से पहले देखें मोहनलाल की ये ब्लॉकबस्टर फिल्में, जानें कहा हैं हिंदी में मौजूद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साउथ अभिनेता मोहनलाल की कई ब्लॉकबस्टर फिल्में हिंदी में मौजूद हैं। अभिनेता की आगामी फिल्म 'एल 2ः रख दिया था। आइए आज उनकी कुछ और ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बारे में जानते हैं, जो हिंदी में उपलब्ध हैं। मोहनलाल की फिल्म 'ब्रो डैडी' साल 2022 में रिलीज

एमपुरान' की टीजर भी कुछ दिनों पहले रिलीज हुआ है। आइए जानते हैं उनकी कौन-कौन सी ब्लॉकबस्टर फिल्में आप हिंदी भाषा में देख सकते हैं। साउथ अभिनेता मोहनलाल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'एल 2ः एमपुरान' का टीजर लॉन्च किया। यह उनकी साल 2019 की फिल्म 'लुसिफर' का सीक्वल है। टीजर में वह और भी खतरनाक लुक में नजर आए हैं। अभिनेता को पांच नेशनल अवॉर्ड, पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित किया जा चुका है। अभिनेता ने महज 18 साल की उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम हुई थी। यह एक कॉमेडी फैमिली ड्रामा है। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रियदर्शन भी हैं। इसका निर्देशन पृथ्वीराज सुकुमारन ने किया है। यह फिल्म ओटीटी पर आप हिंदी में देख सकते हैं रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' में भी मोहनलाल ने प्रभावशाली अभिनय किया है। अभिनेता का रोल भले ही छोटा रहा हो, लेकिन उनका किरदार शानदार रहा। फिल्म ने भारत में जबरदस्त कमाई की है। इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर हिंदी में देख सकते हैं। मोहनलाल की यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी।

'एक बार फिर मानवता की मृत्युष्ठ', छवि मित्तल ने ट्रोलर को दिया करारा जवाब, इसलिए किया ट्रोल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी अभिनेत्री छवि मित्तल ने सोशल मीडिया पर खुद को ट्रोल करने वाले को जमकर फटकार लगाई। अभिनेत्री ने ट्रोलर की इस हरकत को मानवता की मृत्यु बताया। टीवी अभिनेत्री छवि मित्तल ने सोशल मीडिया पर एक कैंसर ट्रीटमेंट का साइड इफेक्ट बताया। छवि ने इस घटना को मानवता की मृत्यु कहा यह घटना कुछ दिन पहले हुई जब छवि ने जिम में वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। अभिनेत्री ने जो स्क्रीनशॉट शेयर किया है, जिसमें ट्रोलर ने कमेंट किया था, लड़ी और इस अप्रैल में हॉरमोन थेरेपी के 3 साल पूरे हो जाएंगे। यह 10 साल लंबा इलाज है। इसके कई साइड इफेक्ट हैं, जैसे कि हॉट फ्लैश, मूड स्विंग, वजन में उतार-चढ़ाव और इन सबके अलावा, बालों का झड़ना। मैं यह भी नहीं बता सकती कि एक महिला के लिए बालों का क्या मतलब के लिए कैंसर फाइटर को ट्रोल करने के लिए बेहद इनसिक्योर होना चाहिए! यह व्यक्ति और ऐसे सभी लोग दया और प्रार्थना के पात्र हैं।ठ छवि ने साल 2022 में अपने कैंसर से जूझने के बारे में जानकारी दी थी। तुम्हारी दिशा, घर की 'लक्ष्मी बेटियां', 'तीन बहुरानियां', 'नागिन', 'बंदिनी', 'एक चुटकी आसमान', 'अदालत', 'कृष्णदासी' और 'लाल इश्क' में नजर आ चुकी है।

नेटिजन को जमकर फटकार लगाई। ट्रोलर ने उन्हें बाल झड़ने के लिए ट्रोल किया था। दरअसल, साल 2022 में अभिनेत्री को ब्रेस्ट कैंसर का पता चला, जिसके ट्रीटमेंट के दौरान उन्हें अपने कुछ बाल खोने पड़े। हाल ही में उन्होंने अपने जिम वर्काउट के दौरान की एक वीडियो शेयर की थी, जिस पर एक यूजर ने उनके बालों को लेकर कमेंट किया। इसके बाद एक्ट्रेस ने उसे सोशल मीडिया पर फटकार लगाई और इसे अपने ठसर के बाल उड़ गए आपके, ट्रीटमेंट करवाओ।ठ जिसके बाद छवि ने जिम से अपनी एक और तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ठआज मैंने एक बार फिर मानवता की मृत्यु का अनुभव किया। मुझे अपने कैंसर ट्रीटमेंट के कारण बाल झड़ने के लिए ट्रोल किया गया। आइए एक बार फिर इसका का शोक मनाने के लिए यहां एक मिनट लें।अभिनेत्री ने आगे लिखा, ठजिन्हें नहीं पता, उनके लिए बता दूं कि मैंने 2022 में ब्रेस्ट कैंसर से जंग है। इस तरह की असंवेदनशील टिप्पणियां केवल चीजों को बदतर बनाती हैं। ट्रोल के आड़े हाथों लेते हुए छवि ने लिखा, ठमैं इस पोस्ट को मुख्य रूप से इसलिए शेयर कर रही हूं कि यह व्यक्ति जो मुझे फॉलो करता है ऐसा सिर्फ मुझे ट्रोल करने के लिए कर रहा है, इसलिए नहीं कि वह मेरी प्रशंसा करता है। यह व्यक्ति उन कई लोगों में से एक है जो सोशल मीडिया पर पब्लिक अकाउंट पर ऐसा करता है। यह व्यक्ति, कई अन्य लोगों की तरह, बालों के झड़ने

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।